आर.एन.आई. नं. 37109/81 कोड संख्या DELHIN/11312 पृष्ट 12 मूल्य: 2 ₹
www.rashtratimes.com • rashtratimes • email: rashtratimesnewspaper@gmail. com
डी. एल. (ई) 01/5155/2021-23
यू. (ई).11/2021-23 Posted at DRMS Delhi-6

रामजी का श्राप: भाजपा 241 पर

दिल्ली से प्रकाशित स्वतंत्र विचारों का सबसे बड़ा साप्ताहिक

राष्ट्र टाइम्स

संपादक: विजय शंकर चतुर्वेदी

वर्ष: 44 ● अंक: 24 ● नई दिल्ली ● 16 से 22 जून 2024

लोकसभा चुनाव खत्म महंगाई पकड़ने लगी रफ्तार...

मई में थोक महंगाई बढकर 15 महीनों के ऊपरी स्तर पर पहुंच गई है। हाल ही में जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार मई में थोक महंगाई बढकर 2.61 प्रतिशत पर पहुंच गई है। फरवरी 2023 में थोक महंगाई दर 3.85 प्रतिशत रही थी। वहीं अप्रैल 2024 में महंगाई 1.26 प्रतिशत रही थी, जो 13 महीने का उच्चतम स्तर था। इससे एक महीने पहले मार्च 2024 में ये 0.53 प्रतिशत रही थी। फरवरी में थोक महंगाई 0.20 प्रतिशत रही थी। उधर, रिटेल महंगाई में गिरावट देखने को मिली थी। दरअसल, लोकसभा चुनाव खत्म होते ही देश की जनता को महंगाई से दो-दो हाथ करने का समय आ गया है। जून का पहला सोमवार जनता के लिए महंगाई का ट्रिपल डोज लेकर आया है। देश की सबसे बड़ी दूध उत्पादन कंपनी अमूल इंडिया और मदर इंडिया ने दूध के दाम बढ़ा दिया है। वहीं एनएचआई ने भी टोल दरों में 5 फीसदी की वृद्धि कर दी है। जानकारों का कहना है कि नई सरकार के गठन के साथ ही महंगाई का करंट और बढ़ जाएगा। लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद आम लोगों के

शेष पृष्ठ 2 पर

॥ विजयशंकर चतुर्वेदी ॥

भाजपा को अपने वैचारिक गुरु की आलोचना का सामना करना पड़ा, क्योंकि आरएसएस नेता इंद्रेश कुमार ने हाल के लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ पार्टी के खराब प्रदर्शन के लिए "अहंकार" को जिम्मेदार ठहराया। जयपुर के पास कनोता में एक कार्यक्रम में बोलते हुए इंद्रेश कुमार ने कहा, "जो लोग भगवान राम की भक्ति करते थे, वे धीरे-धीरे अहंकारी हो गए। उस पार्टी को सबसे बड़ी पार्टी घोषित किया गया, लेकिन अहंकार के कारण भगवान राम ने उन्हें 241 पर रोक दिया।"

यह टिप्पणी भाजपा पर लक्षित प्रतीत होती है, जिसने लोकसभा चुनावों में 240 सीटें जीतीं, लेकिन बहुमत का आंकड़ा पार करने में विफल रही। यह 2014 के बाद से पार्टी का सबसे खराब प्रदर्शन भी था। कुमार ने विपक्षी भारत ब्लॉक पर भी निशाना साधा और उन्हें "राम विरोधी" करार दिया।

विपक्षी गठबंधन का नाम लिए बिना उन्होंने कहा, "और जिन लोगों को राम में कोई आस्था नहीं थी, वे सब मिलकर 234 पर रुक गए। भगवान का न्याय सच्चा और सुखद है।" लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 234 सीटें जीतीं।

आरएसएस नेता की यह टिप्पणी आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत द्वारा सार्वजनिक सेवा में विनम्रता के महत्व का उपदेश दिए जाने के कुछ दिनों बाद आई है।

भागवत ने कहा, "एक सच्चा सेवक मयार्दा बनाए रखता है। वह काम करते समय मयार्दा का पालन करता है। उसे यह कहने का अहंकार नहीं होता कि 'मैंने यह काम किया'। केवल वही व्यक्ति सच्चा सेवक कहलाता है।"

भागवत ने अहिंसा और सत्य के सिद्धांतों का हवाला देते हुए सभी के प्रति विनम्रता और सद्भावना की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

उम्मीद है अहंकारी भाजपा को सत्ता से हटा देगा आरएसएस

शिवसेना (उद्धव ठाकरे) नेता संजय राउत ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर निशाना साधा और कहा कि पिछले 10 वर्षों में देश में अहंकार की राजनीति रही है और जनता के सेवक अहंकारी नहीं हो सकते। उन्होंने आगे कहा कि जनता ने अहंकार की राजनीति को खत्म कर दिया है। पत्रकारों से बात करते हुए, राउत ने आरएसएस के पूर्व प्रमुख नेताओं की प्रशंसा की और कहा कि उन्होंने अतीत में लोकतंत्र को बचाने में योगदान दिया है। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने यह भी कहा कि उन्हें विश्वास है कि आरएसएस 'अहंकारी भाजपा' को सत्ता से हटा देगा।

वायनाड से राहुल इस्तीफा देंगे

॥ डॉ. प्रदीप चतुर्वेदी ॥

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने यूपी की रायबरेली के साथ-साथ केरल की वायनाड सीट पर भी जीत हासिल की है। नियमों के मुताबिक राहुल गांधी को कोई एक सीट से इस्तीफा देना होगा, क्योंकि वह एकसाथ दोनों सीटों के सांसद नहीं रह सकते हैं। राहुल किस सीट से इस्तीफा देंगे इसे लेकर चर्चाएं चल रही हैं। वहीं प्रियंका गांधी के को लेकर भी कयासों का बाजार गर्म है।

एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा कि राहुल गांधी वायनाड सीट से इस्तीफा देते

हैं तो वहां से प्रियंका गांधी को कांग्रेस अपना उम्मीदवार बना सकती है। राहुल ने बीते दिनों यह कहकर अपनी बहन के चुनाव मैदान में उतरने की बात को हवा दे दी कि उनकी बहन वाराणसी से चुनाव लड़ रही होती तो पीएम मोदी दो-तीन लाख वोटों से चुनाव हार जाते।

प्रियंका गांधी के चुनाव लड़ने की चर्चा 2019 के लोकसभा चुनाव से हो रही है। उस समय भी अटकलें लगाई गईं थी कि वह वाराणसी से पीएम मोदी के खिलाफ चुनाव मैदान में उतर सकती हैं। इसके बाद 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव में भी उनके चुनाव लड़ने की अटकलें लगी थीं। उस चुनाव में तो उनके मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवारी की भी खूब बात हुई। 2024 में जब सोनिया गांधी ने रायबरेली सीट छोड़ दी तो प्रियंका का नाम फिर उछला, लेकिन इस सीट से राहुल गांधी चुनाव लड़े और जीते।

सूत्रों ने कहा था कि प्रियंका गांधी ने चुनाव नहीं लड़ने का

शेष पृष्ठ 2 पर

बिहार के बेरोजगार युवाओं को मिलेगा बेरोजगारी भत्ता

॥ उमेश जोशी ॥

बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जदयू-भाजपा गठबंधन सरकार ने राज्य के युवाओं को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। कैबिनेट बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया कि बिहार सरकार राज्य भर के बेरोजगार युवाओं के लिए "बेरोजगारी भत्ता" शुरू करेगी। नीतीश कुमार की अगुवाई में कैबिनेट ने मनरेगा के प्रावधानों को शामिल करते हुए बिहार बेरोजगारी भत्ता नियमावली 2024 को मंजूरी दे दी।

नए स्वीकृत नियमों के अनुसार, पात्र व्यक्ति जो नौकरियों के लिए आवेदन करने के बाद बेरोजगार रह जाते हैं, उन्हें आवेदन के पंद्रह दिनों के भीतर रोजगार सुरक्षित नहीं होने पर राज्य सरकार से दैनिक बेरोजगारी भत्ता मिलेगा। इस भत्ते का उद्देश्य सक्रिय रूप से रोजगार की तलाश कर रहे व्यक्तियों को उनके आवेदन की तारीख से शुरू होने वाली निर्दिष्ट सीमा के भीतर वित्तीय सहायता प्रदान करना है। लोकसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में मंत्रिपरिषद की अहम बैठक बुलाई गई।

इस सत्र के दौरान, कुल 25 एजेंडों पर विचार-विमर्श किया गया और बाद में कैबिनेट द्वारा अनुमोदित किया गया। गौरतलब है कि बिहार में अगले साल विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। इसे देखते हुए बिहार के युवाओं को फायदा पहुंचाने के मकसद से लिए गए सीएम कुमार के फैसले को एक रणनीतिक कदम बताया जा रहा है। वही 15 साल पुरानी सरकारी गाड़ियों का फिर से 5 साल का रजिस्ट्रेशन नहीं होगा। मनरेगा योजना के तहत बिहार में बेरोजगारी भत्ता नियमावली 2024 की स्वीकृति दी गयी है।

नए मंत्रिमंडल में 28 क्रिमिनल 19 के खिलाफ गंभीर मामले

फोटो : राजीव गुप्ता

एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले तीसरे मंत्रिमंडल की संरचना के संबंध में शुरूआती निष्कर्षों का खुलासा किया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 28 मंत्री आपराधिक मामलों में फंसे हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें से 19 मंत्रियों पर हत्या के प्रयास से लेकर महिलाओं के खिलाफ अपराध और नफरत फैलाने वाले भाषण जैसे गंभीर आरोप हैं। सबसे गंभीर आरोपों का सामना करने वालों में बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर और शिक्षा और उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार शामिल हैं। दोनों ने भारतीय दंड संहिता की धारा 307 के तहत हत्या के प्रयास से संबंधित मामलों की घोषणा की है।

पांच मंत्रियों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध से जुड़े मामले हैं

इसके अलावा, एडीआर की जांच एक और परेशान करने वाले आंकड़े पर प्रकाश डालती है: पांच मंत्रियों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामले लंबित हैं। वे गृह राज्य

शेष पृष्ठ 2 पर

संपादकीय

विपक्ष हारकर भी जीत गया

18 वीं लोक सभा चुनाव में विपक्ष कर्ण की तरह लड़ी। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत ने एक बार पुनः साबित कर दिया कि भारत सचमुच में प्रजातंत्र की जननी है। 18वें लोक सभा चुनाव जो कि विषम परिस्थितियों में सबसे लम्बी अवधि के बाद समाप्त हो चुके हैं। इस लोक सभा के साधारण चुनाव के परिणाम ने एक बार पुनः साबित कर दिया कि प्रजातंत्र में जनता ही जनार्दन है जनता जनार्दन ने विपक्षी दलों को अपना समर्थन दिया है। भले ही विपक्ष जीता न हो लेकिन उसने भाजपा व प्रधानमंत्री मोदी का घमंड जरूर तोड़ दिया है। जिसका सबसे बड़ा प्रमाण मोदी की गारंटी व तुष्टीकरण वाले एजेंडे को नकारते हुए भाजपा को करारा जबाब दिया है। यही कारण है कि भाजपा बहुमत के आंकड़े से पीछे रह गई है। भाजपा ने सत्ता के लोभ में अपनी नीति को ताख पर रखते हुए गठबन्धन करते हुए अपने घुटने टेक दिए। वे जिस नेहरू को पानी पी-पी कर दस साल गाली देती रही उन्हीं के रिकॉर्ड की बराबरी करने के लिए लगातार तीसरी बार शपथ तो ले ली है लेकिन सरकार चलाने के लिए उन्हें चन्द्रबाबु नायडू और नीतीश कुमार सत्ता सिंघासन पर आशीन होने के गठबन्धन करना पड़ा है वही विपक्ष चुनावी समर क्षेत्र महाभारत के कर्ण की तरह लोक सभा चुनाव लड़ा है। जैसा कि सर्वविदित है 2024 का चुनावी महाभारत समाप्त हो गया है। इस बार चुनावी समर क्षेत्र को देखने के बाद महाभारत का एक प्रसंग याद आ रहा है। जब अर्जुन और कर्ण के बीच धर्म युद्ध हो रहा था। कुरुक्षेत्र के मैदान में अर्जुन जब बाण चलाते थे तो बाणों के वेग से कर्ण का रथ मीलों पीछे चला जाता था,लेकिन जब कर्ण बाण चलाता था तो अर्जुन का रथ महज तीन कदम पीछे जाता था। इसके बाबूजूद अर्जुन के सारथी बने स्वयं भगवान कृष्ण के मुंह से निकल पड़ता था-वाह कर्ण वाह.... अर्जुन को कृष्ण के मुंह से कर्ण की तारीफ सुनकर अच्छा नहीं लगता था। वे दुखी हो रहे थे। आखिर में अर्जुन नेअपनी नाराजगी जताते हुए श्री कृष्ण से पूछा- हे वासुदेव मैं जब तीर चलाता हूं तो कर्ण का रथ मीलों पीछे चला जाता है और वह जब बाण चलाता है तो मेरा रथ सिर्फ तीन कदम पीछे हटता है। फिर भी आप मेरी बजाय कर्ण की तारीफ करते हैं। तब कृष्ण ने अर्जुन को सच्चाई बताई। कृष्ण ने अर्जुन कहा कि वे स्वयं उनके रथ पर तीनों लोकों का भार लेकर बैठे हैं। इसके अलावा रथ पर फहरा रही पताका पर हनुमान जी रोम-रोम में पहाड़ बांधकर सवार थे। इतना वजन होने के बावजूद कर्ण अपने बाणों से अर्जुन के रथ को तीन कदम पीछे ढकेल देता था।

इस लोक सभा चुनाव में भी वही सब देखने को मिला। एक तरफ स्वयं भीष्म पितामह की तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उनके चाणक्य अमित शाह और योगी आदित्यनाथ तथा राजनाथ सिंह समेत भाजपा शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री उनके दर्जनों सहयोगी थे। 10 वर्ष तक केंद्र सरकार-सरकारी तंत्र थे, दूसरी राहुल गांधी व थे व उसके सहयोगियों में अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव,स्टालिन आदि कम नामधारी क्षेत्रीय दलों के नेता थे आखिर में पश्चिमी बंगाल की योद्धा ममता बनर्जी ने इस लड़ाई में साथ नहीं आईं। वे विपक्ष के खेमे में जरूर थीं लेकिन उन्होंने अपना डेरा अलग से जमा रखा था। इसके अलावा मोदी के पास तमाम संसाधन व सरकारी तंत्र थे। सता में रहने के कारण घन के देवता कुबेर का चुनावी चन्दा रूप बांड से उगाहे गए हजारों करोड़ रुपये,चुनाव आयोग और दूसरी सरकारी एजेंसियों, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), सीबीआई और इनकम टैक्स विभाग, गोदी मीडिया और सर्वे करनी वाली मायावी राक्षसी प्रवृत्ति वाली एजेंसियों की ताकत थी जो आखिरी समय तक विपक्षी नेताओं को परेशान करती रही। इसके बावजूद विपक्षी नेताओं ने मोदी जी के दांत खट्टे कर दिये। सम्पूर्ण देश में मोदी की गारंटी ,राम मन्दिर मंगल सूत्र हिन्दु खतरे में के सहारे 400 पार की गगन भेदी घोषणा करने वालों की टीम थी। भारतीय मतदाताओ ने मोदी जी के विजय रथ को 240 सीटो व सहयोगी दलों एन डी ए 290 में ही जबरदस्त ब्रेक लगा दिया है। बीजेपी को उन्होंने पूर्ण बहुमत नहीं पाने दिया। नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री पद पाने के लिए गठबन्धन कर लिया। परिणाम स्वरूप राजनीति पंडितओं में चर्चा व चिन्तन का दौर शुरू हो गया है कि मोदी जो कल तक विश्वगुरु भारत को बना रहा था अच्छे दिन का राग अलाप रहे हिन्दु राष्ट्र बनाने का सपना देख रहे है। हम राम को लाये है। राम को लाने वाले को जनता लायेगी। इसी बल पर अबकी बार 400 पार का गर्जना करते थक नही रहें थे - उन्हें केन्द्र में सता के सिंघासन पर आसीन होने के लिए चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार के हाथ थाम कर वैसाखी लेने को मोदी मजबूर हो गए। राजनीतिक पंडितों की माने तो मोदी के 36 के आंकड़े न भी हों तो मधुर संबंध तो नहीं हैं।

इस चुनाव की सबसे खास और बीजेपी के लिए सबसे खतरनाक बात यह है कि भारत के उत्तर और पश्चिम उसके अभेद्य किले को विपक्ष ने भेद दिया है। कहीं ध्वस्त किया है तो कहीं बड़ा नुकसान पहुंचाया है । दिल्ली की सत्ता के द्वारा देश के सबसे बड़े और महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश में उन्होंने बीजेपी को धूल चटा दी है। आप को बता दे कि पिछले लोक सभा चुनाव में 62 सीट जीतने वाली बीजेपी को इस बार 33 सीटों पर समेट दिया है। राजस्थान मे बराबरी से मुकाबला किया है। जहां पिछले चुनाव में बीजेपी ने सभी 25 सीटें जीती थीं वहीं इस बार 11 सीटें कांग्रेस ने उससे छीन ली हैं। महाराष्ट्र में तो यूपी जैसा ही धमाका किया है। वहां की 48 में से करीब 30 सीटों पर कब्जा जमा लिया है। बिहार में भी कोई बड़ी सफलता तो नहीं हासिल कर पाया । विपक्ष लेकिन पहले जहां एनडीए ने 40 में से 39 सीटें हासिल की थीं वहीं इस बार उसे 31 पर ही रोक दिया है। सबसे पुराना किला गुजरात में भी इस चुनाव मेंगोला दागकर एक सूराख बना दिया है जो राज्य में बीजेपी की कमजोरी का चिन्ह बन गया है। दक्षिण भारत में बीजेपी का बहुत कुछ पहले भी नहीं था। नॉर्थ ईस्ट में भी उसे इस बार झटका लगा है। पिछली बार वहां की 25 में से 23 सीटें एनडीए ने जीती थीं जो कि इस बार 16 पर ही सिमट गईं। बीजेपी के लिए एक राज्य ओडिशा वरदान साबित हुआ है। सही मायने में यही बीजेपी का फायदा है। वहां इसकी पहली बार सरकार तो बन ही रही है,वहां की लोक सभा की भी लगभग सारी सीटें ही उसने जीत ली हैं। अगर ओडिशा ने बीजेपी का इस कदर साथ न दिया होता तो मोदी इस बार सत्ता से ही बाहर हो जाते।

मोदी के अंधभक्त इस बात से भी खुश हो सकते हैं कि चाहे जैसे भी हो तीसरी बार मोदी का प्रधानमंत्री शपथ ग्रहण हो गया है, लेकिन बीजेपी के शुभचिंतक इस बात को जरूर समझ गये होंगे कि मोदी का जादुई मैजिक करिश्मा धुमिल हो गया है। अंधभक्त मोदी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह को लेकर काफी उत्साहित है क्योंकि उनके नेता जवाहर लाल नेहरू के तीन बार प्रधान मंत्री बनने की श्रेणी खड़े हो रहें है। लेकिन उनकी खुशी कब तक रहेगी मोदी का चेहरा अब तक अकेले निर्णय लिया करते थे लेकिन गठबन्धन की सरकार में उन्हे अपने सहयोगी दलों के संग निर्णय लेना होगा। भारतीय राजनीति में गठबन्धन सरकार का अनुभव - नरसिम्हा राव का कार्यकाल को छोड़ दें तो सुःखद नहीं है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि - क्या मोदी की नेतृत्व में एनडीए व गठबन्धन सरकार कितने दिनों तक चल पायेगी । मोदी जी क्या पहले की तरह बड़े फैसले ले पायेंगे क्या। वही कुछ दिनों में महाराष्ट्र, हरियाणा व अगले वर्ष दिल्ली , विहार झारखण्ड में विधान सभा के चुनाव होने वाले है। उस समय ही एनडीए व गठबन्धन की सरकार की अग्नि परीक्षा होगी। अभी से मोदी सरकार का भविष्य क्या होगा - कुछ कहना अतिश्रुति होगी ।

पृष्ठ 1 का शेष

लोकसभा चुनाव खत्म होते ही महंगाई...

बीच दूसरा सवाल भी रेंगने लगा है। दरअसल, लोकसभा चुनाव खत्म होते ही महंगाई का करंट लगना शुरू हो गया है। खाद्य पदार्थों के साथ ही आवश्यक वस्तुओं के दाम भी बढ़ने लगे हैं। जानकारों का कहा है कि आने वाला समय महंगाई से दो-दो हाथ करने वाला रहेगा।

खाद्य महंगाई दर अप्रैल के मुकाबले 5.52 प्रतिशत से बढकर 7.40 प्रतिशत हो गई। रोजाना की जरूरत वाले सामानों की महंगाई दर 5.01 प्रतिशत से बढकर 7.20 प्रतिशत हो गई। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर 1.38 प्रतिशत से घटकर 1.35 प्रतिशत रही। मैन्युफैक्करिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर -0.42 प्रतिशत से बढकर 0.78 प्रतिशत रही। इससे पहले 12 जून को मई के रिटेल महंगाई के आंकड़े जारी हुए थे। इसके अनुसार मई में रिटेल महंगाई 4.75 प्रतिशत रही। यह 12 महीने का निचला स्तर है। वहीं एक महीने पहले यानी अप्रैल में रिटेल महंगाई घटकर 4.83 प्रतिशत पर आ गई थी।

पिछले कुछ वर्षों से देश के परिवारों, खासकर मध्यवर्गीय परिवारों का व्यय लगातार बढ़ रहा है। इस अनुपात में उनकी आय में वृद्धि नहीं हो रही, इस कारण उनकी बचत भी निरंतर घट रही है। हाल ही में सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों में बताया गया कि देश में परिवारों की शुद्ध बचत पिछले तीन वर्षों में नौ लाख करोड़ रुपए से अधिक घटकर वित्तवर्ष 2022-23 में केवल 14.16 लाख करोड़ रुपए रह गई।

मंत्रालय द्वारा जारी ताजा राष्ट्रीय खाता सांख्यिकी 2024 के अनुसार वित्तवर्ष 2020-21 में परिवारों की शुद्ध बचत 23.29 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई थी, और उसके बाद से इसमें लगातार गिरावट आ रही है। वित्तवर्ष 2021-22 में देश के परिवारों की शुद्ध बचत घटकर 17.12 लाख करोड़ रुपए रह गई। यह पिछले पांच वर्षों में बचत का सबसे निचला स्तर है। बचत घटने का सबसे बड़ा कारण परिवारों के जीवन निर्वाह व्यय और अन्य व्ययों में बढ़ोतरी है। जीवन निर्वाह व्यय किसी एक खास स्थान और समय अवधि के दौरान आवास, भोजन, स्वास्थ्य, शिक्षा, कर जैसे मूलभूत व्ययों के लिए जरूरी धन की मात्रा है। अगर देश में महंगाई बढ़ती है तो इनके लिए किए जाने वाले खर्च की राशि भी बढ़ती है। बढ़ी हुई महंगाई गरीब, मध्यवर्गीय और गरीबी से नीचे के लोगों को प्रभावित करती है। महंगाई का सबसे बुरा असर गरीब वर्ग पर पड़ता है।

दैनिक उपभोग की वस्तुओं के मूल्य में बढ़ोतरी से आम भारतीय परिवारों की जीवन स्तर निरंतर गिरता जा रहा है। हालांकि सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए जाने वाले थोक और खुदरा महंगाई दर के आंकड़ों के अनुसार महंगाई घटती हुई प्रतीत होती है, लेकिन बाजार में वह कहीं नजर नहीं आती। व्यवहार में छोटी-मोटी वस्तुएं, जो कुछ वर्ष पहले रुपए-दो रुपए में मिलती थी, पहले वह पांच रुपए की हुई, अब दस रुपए की है। दस रुपए एक तरह से मुद्रा की न्यूनतम इकाई हो गई है। इस तरह छोटी-मोटी वस्तुओं की कीमत पांच से दस गुना तक बढ़ गई। पिछले कुछ वर्षों में यह चलन आम हो गया है कि बाजार में वस्तुओं की कीमत बढ़ी हुई न दिखे, इसलिए निमार्ताओं ने मूल्य वही रखते हुए उसकी मात्रा या वजन घटा दिया। इससे वह जल्दी-जल्दी समाप्त होने लगी, बार-बार खरीदने की जरूरत के चलते जिस वस्तु का मूल्य घटा हुआ दिखता है, वह वास्तव में पहले से ज्यादा महंगी पड़ने लगी है।

वायनाड से राहुल दे सकते हैं इस्तीफा

फैसला इसलिए किया, क्योंकि अगर वह जीत जातीं तो संसद में तीन गांधी होते। पीएम मोदी और बीजेपी की वंशवादी राजनीति के आरोप को बल मिलता। प्रियंका ने अपना ज्यादा समय रायबरेली और अमेठी में प्रचार में बिताया। दोनों ही सीटों पर उनकी पार्टी ने बड़े अंतर से जीत हासिल की। जब लोकसभा के नतीजे आए तो समाजवादी पार्टी-कांग्रेस गठबंधन ने यूपी की 80 सीटों में से 43 सीटें जीतकर बीजेपी और चुनाव विश्लेषकों को चौंका दिया है। रिजल्ट के बाद राहुल ने यूपी के लोगों का आभार जताते हुए अपनी बहन की भूमिका की तारीफ भी की थी। वायनाड से उपचुनाव में प्रियंका गांधी का चुनाव लड़ना इस बात पर निर्भर करेगा कि राहुल इस सीट को छोड़कर रायबरेली से सांसद बने रहते हैं या नहीं।

इस सीट से 2019 में उन्हें जीत मिली थी। वह अमेठी सीट हार गए थे। राहुल गांधी ने कहा था कि वह दुविधा में हैं और अभी भी फैसला नहीं कर पाए हैं कि दोनों में कौन सी सीट से इस्तीफा दूं। उन्होंने इतना जरुर कहा कि उनके अंतिम निर्णय से दोनों क्षेत्रों के लोग खुश होंगे।

अमेठी में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को करारी शिकस्त देने वाले गांधी परिवार के अहम सहयोगी किशोरी लाल शर्मा ने राहुल गांधी से रायबरेली सीट बरकरार रखने का आग्रह किया है। वहीं, केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख के सुधाकरन ने संकेत दिया है कि राहुल वायनाड लोकसभा सीट छोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें दुखी नहीं होना चाहिए क्योंकि देश का नेतृत्व करने वाले राहुल गांधी से वायनाड में रहने की उम्मीद नहीं की जा सकती है। सभी को यह समझना चाहिए और उन्हें अपनी शुभकामनाएं और समर्थन देना चाहिए।

नए मंत्रिमंडल में 28 पर क्रिमिनल केस...

मंत्री बंदी संजय कुमार, ठाकुर, मजूमदार, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस और पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी और जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम हैं। इसके अतिरिक्त, एडीआर रिपोर्ट में नफरत फैलाने वाले भाषण से संबंधित मामलों वाले आठ मंत्रियों की पहचान की गई है। इसमें कहा गया है कि 71 में से कुल 28 मंत्रियों (39 प्रतिशत) ने आपराधिक मामले घोषित किए हैं। 9 जून को शपथ लेने वाली नई मंत्रिपरिषद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित 72 सदस्य हैं।

एडीआर रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि नए मंत्रिपरिषद में 71 में से सत्तर मंत्री करोड़पति हैं और उनकी औसत संपत्ति 107.94 करोड़ रुपये है। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने कहा कि मंत्रियों में से छह ने अपनी विशेष रूप से उच्च संपत्ति की घोषणा की है, जिनमें से प्रत्येक ने 100 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति की घोषणा की है। ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री और संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री डॉ. चंद्र शेखर पेम्मासानी 5705.47 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति की घोषणा के साथ सूची में शीर्ष पर हैं। उनकी संपत्ति में 5598.65 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और 106.82 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति शामिल है।

9 जून को मोदी कैबिनेट 3.0 का गठन हुआ

नए मंत्रियों में करीब 99 फीसदी करोड़पति हैं। विश्लेषण किए गए 71 मंत्रियों में से 70 ने अपनी संपत्ति करोड़पति श्रेणी में घोषित की है, जो देश के राजनीतिक नेतृत्व के बीच संपत्ति के एक महत्वपूर्ण संकेंद्रण को उजागर करता है। रिपोर्ट, जो इन मंत्रियों का विस्तृत वित्तीय अवलोकन प्रदान करती है, बताती है कि उनके बीच औसत संपत्ति 107.94 करोड़ रुपये है। यहां यह उल्लेख किया जाना चाहिए कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 71 मंत्रियों के साथ 9 जून को शपथ ली थी क्योंकि दो पूर्ण कार्यकालों के बाद नई गठबंधन सरकार बनी थी जिसमें भाजपा को अपने दम पर बहुमत प्राप्त था।

पीएम मोदी के लिए अच्छा मौका है- इस्तीफा देकर देश में एक साथ करा लें चुनाव

॥ देव सागर सिंह ॥

आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव', एनडीए के घटक दलों के मंत्रालय बंटवारे और जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी घटना को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी।

संजय सिंह ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के लिए इससे अच्छा क्या मौका होगा। वह पीएम पद से इस्तीफा देकर पूरे राष्ट्र का चुनाव एक साथ करवा लें। भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं है। उनकी 240 लोकसभा सीट आई है। ऐसे में कोशिश करें पूरे देश का चुनाव और लोकसभा चुनाव फिर से करवा लें।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और उनकी पार्टी को लगता है कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' होना चाहिए। ऐसे में वह राज्य की सारी सरकारें और केंद्र सरकार को भंग कर दें। अभी तत्काल एक साथ सारे चुनाव करवा दें। उनके लिए यह एक बेहतरीन मौका है।

एनडीए के घटक दलों के मंत्रालय बंटवारे को लेकर संजय सिंह ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि एनडीए में सब ठीक नहीं है, इसका कारण है कि एनडीए के सहयोगी दलों को भाजपा ने 'झुनझुना मंत्रालय' थमा दिया। आपने ना तो रेल मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, कृषि मंत्रालय, सड़क

और ना ही वाणिज्य मंत्रालय सहयोगी को दिया। सहयोगी दलों को कोई बड़ा मंत्रालय नहीं दिया गया। उनको सिर्फ 'झुनझुना मंत्रालय' दिया। एक पार्टी को मछली विभाग और दूसरे को जहाज विभाग दे दिया। अब तो जहाज भी प्राइवेट वालों का है, सरकार के पास अपना कोई जहाज नहीं है। यहां तक कि हवाई अड्डे प्राइवेट वालों के हैं, अब हवाई अड्डा सरकार के पास नहीं है।

संजय सिंह ने कहा कि जेडीयू को मछली पालन विभाग दे दिया। मुझे लगता है कि पीएम मोदी ने एक तरह से संकेत दे दिया है कि हम ऐसे ही सरकार चलाएंगे। आपको साथ में रहना है तो रहिए नहीं तो आगे आपकी पार्टियां तोड़ेंगे। टीडीपी को तोड़ेंगे, जदयू को तोड़ेंगे, जनता दल सेक्युलर को तोड़ेंगे।

उन्होंने यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लेकर मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि यूसीसी देश के आदिवासियों, सिख समुदाय, देश के वंचित लोगों के खिलाफ है। आप देश में ऐसा कानून लागू करना चाहते हैं। भारत विविधताओं का देश है। हमारा देश अलग-अलग जातियों और धर्मों से बना है। आदिवासी समाज में शादी और तलाक की प्रथा अलग है, सिख समाज में भी शादी की प्रथा अलग है।

आप कह रहे हैं कि हम सबकुछ एक कर देंगे। मुझे लगता है कि टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू और जेडीयू को यूसीसी को लेकर सवाल पूछना चाहिए, क्योंकि इन्होंने इस पर सवाल भी उठाए थे।

संजय सिंह ने जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी घटनाओं की निंदा करते हुए कहा कि सरकार को इन हमलों पर भी ध्यान देना चाहिए। सरकार दावा करती रही है कि घाटी से आर्टिकल-370 हटाए जाने के बाद से अमन और शांति है। लेकिन, अभी भी वहां आतंकी हमले हो रहे हैं।

सोशल मीडिया पर आतिशी और उपराज्यपाल में वार-पलटवार

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

दिल्ली की जल मंत्री आतिशी और उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना के बीच जल संकट को लेकर सोशल मीडिया पर वार-पलटवार देखने को मिला। आतिशी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि आज उपराज्यपाल दफ्तर ने सभी पत्रकारों को एक विज्ञप्ति भेजी है।

उन्होंने कहा, इसमें मुझे बहुत गालियां दी हैं। मेरे बारे में बहुत खराब बातें कहीं है। आम आदमी पार्टी (आप) नेता ने यह भी कहा कि वह जानती हैं कि उपराज्यपाल और भाजपा 'आप' से नफरत करते हैं, क्योंकि दिल्ली की जनता ने बार-बार अरविंद केजरीवाल को भारी बहुमत से मुख्यमंत्री बनाया है।

उन्होंने कहा, लेकिन हमसे नफरत करते-करते, आपको

दिल्ली वालों से नफरत हो गई है। आपने हमें जितनी गालियां देनी है, दे दीजिए। आपको हमें जितना बुरा भला कहना है, कह लीजिए। लेकिन हमसे नफरत की वजह से आप दिल्ली वालों के हक का पानी मत रुकवाइये। दिल्ली वाले पानी की कमी से बहुत परेशान हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि अगर हरियाणा की भाजपा सरकार दिल्ली को पानी दे देगी, तो सभी दिल्ली वालों को आराम मिलेगा। राजनिवास ने अपने आधिकारिक हैंडल से पलटवार करते हुए कहा, मंत्री जी, एलजी साहब ने आपको कोई गाली नहीं दी। एलजी कार्यालय ने आपके द्वारा कल उनको दी गयी गालियों व सफेद झूठ का बकायदा साक्ष्य समेत खंडन किया और दिल्ली के लोगों को भ्रमित करने की आपकी आदत का पदार्फाश किया। राजनिवास ने कहा कि दिल्ली के लोगों को अभी भी आशा है कि आतिशी दिल्ली में पानी की चोरी व बर्बादी रोककर लोगों को पानी देंगी।

जिला पुलिस उपायुक्त ने आगामी त्यौहारों पर की बैठक

आगामी विभिन्न त्यौहारों के संदर्भ में विशेषकर ईदु उल अजाह (बकरा ईद), अमरनाथ यात्रा, कावड़ सेवा पर समाज में कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा भाई चारा - अमन- चैन बनाए रखने हेतु पुलिस उपायुक्त पूर्वी जिला श्रीमती अपूर्वा गुप्ता आई पी एस की अध्यक्षता में पूर्वी दिल्ली के विभिन्न समाजसेवियों धर्मगुरुओं सहित हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई एकता कमेटी (रजि.) एवं अमन कमेटी, पुलिस मित्रा, आर डबलू ए, मार्किट वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यों की एक विशेष बैठक उपायुक्त कार्यालय स्थित सभागार में करी गई।

इस मौके पर ईद के संदर्भ में गाइडलाइन जारी करी गई जिसके तहत मुस्लिम समाज से अपील करी गई आपसी भाईचारा बनाते हुए ईद की गाइडलाइंस के अनुसार त्यौहार बनाएं कुबार्नी इत्यादि पर एहतियात बरतने की आवश्यकता है। अन्य धर्मों की आस्था को ध्यान रखते

हुए त्यौहार मनाए। इस संबंध में बी एस ई एस, एम सी डी, दिल्ली जल बोर्ड सहित ट्रैफिक पुलिस, एसीपी सभी जिला के थानाध्यक्षों को ईद उल अजहा को लेकर आवश्यक इंतजाम और सुविधाओं पर चर्चा हुई। इस मौके पर

पुलिस उपायुक्त पूर्वी जिला श्रीमती अपूर्वा गुप्ता आई पी एस का बैठक में पूर्वी दिल्ली के विभिन्न समाजसेवियों धर्मगुरुओ द्वारा फूलों के गुलदस्ते और शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। हिंदू मुस्लिम सिख इसाई एकता कमेटी के अध्यक्ष डा परवेज मियां, कोषाध्यक्ष रियाजुद्दीन सैफी, उपाध्यक्ष गुलफाम सलाउद्दीन, संगठन सचिव व पुलिस मित्र हरीश गोला एडवोकेट, गाजीपुर चेयरमैन बिलाल अंसारी, पुलिस मित्र रजत सेठ, कब्रिस्तान कमेटी के चेयरमैन भाई इस्लामुद्दीन सहित कई अन्य महानुभावों ने चर्चा करी।

टीम शकरपुर पुलिस स्टेशन के सदस्यों में एडवोकेट हरीश गोला, पतराम त्यागी, अशोक शर्मा, सरदार दलजीत सिंह, राधे श्याम गुप्ता, सुंदरलाल मिश्रा, अशोक सरीन, जगदीश कपूर, ममता तिवारी, महेश शर्मा, ने शकरपुर थानाध्यक्ष संजय गुप्ता का शाल ओढ़ाकर पुष्प गुच्छ से अच्छा कार्य करने पर धन्यवाद किया और स्वागत किया।

नीट पर सुप्रीम आदेश: 1563 छात्रों को देनी होगी दोबारा परीक्षा 30 जून से पहले आएंगे परिणाम

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

नीट परीक्षा के रिजल्ट को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है। कोर्ट ने काउंसलिंग पर रोक लगाने से इंकार करते हुए कहा कि ग्रेस मार्क्स पाने वाले 1563 छात्रों को फिर से परीक्षा देनी होगी। साथ ही कोर्ट ने नोटिस जारी करके एनटीए से 2 हफ्ते में जवाब मांगा है। अब अगली सुनवाई 8 जुलाई को होगी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच नीट यूजी के मामले में सुनवाई कर रही है। वहीं एनटीए की तरफ से कहा गया कि नीट यूजी 2024 की परीक्षा में जिन उम्मीदवारों को ग्रेस मार्क्स मिले हैं, उन्हें फिर से परीक्षा 23 जून को देनी होगी। रिजल्ट 30 जून से पहले जारी किया जाएगा। इसके बाद ही 6 जुलाई को काउंसलिंग होगी।

सुप्रीम कोर्ट में नीट यूजी परीक्षा को लेकर दूसरी याचिका एसआईओ के सदस्य अब्दुल्ला मोहम्मद फैज और डॉ. शेख रोशन मोहिद्दीन ने दायर की थी। दायर की गई इस याचिका में नीट-यूजी 2024 के रिजल्टों को वापस लेने और नए सिरे से परीक्षा आयोजित करने की मांग की गई थी। याचिकाकताओं ने ग्रेस मार्क्स देने में मनमानी का आरोप लगाया गया है। इसमें बताया गया कि 720 में से 718 और 719 अंक (कई छात्रों द्वारा प्राप्त) स्टैटिकली रूप से असंभव थे।इसके अलावा यह भी दावा किया गया कि एनटीए द्वारा ग्रेस मार्क्स देना कुछ छात्रों को लॉस ऑफ टाइम की भरपाई के बजाय पिछले दरवाजे से प्रवेश देने की एक दुर्भावनापूर्ण कवायद थी। याचिकाकताओं ने इस तथ्य के बारे में भी संदेह जताया कि एक स्पेशल सेंटर से 67 छात्रों ने 720 अंकों में से 720 अंक प्राप्त किए है। दायर की गई दूसरी याचिका में याचिकाकताओं ने पेपर लीक के आरोपों की जांच पूरी होने तक नीट यूजी 2024 प्रवेश के लिए आयोजित की जाने वाली

काउंसलिंग पर रोक लगाने की भी मांग की है। उन्होंने परीक्षा के ऑपरेशन में कथित गड़बड़ियों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल के गठन की भी मांग की थी। नीट यूजी को लेकर तीसरी याचिका नीट उम्मीदवार जरीपिति कार्तिक ने दायर की थी। इसमें परीक्षा के दौरान कथित रूप से लॉस ऑफ टाइम के लिए मुआवजे के रूप में ग्रेस मार्क्स दिए जाने को चुनौती दी गई थी। संक्षेप में कहा जाए तो कोर्ट तीन याचिकाओं पर विचार कर रहा है, जिसमें अनियमितताओं और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा 1500 से अधिक उम्मीदवारों को लॉस ऑफ टाइम के आधार पर परीक्षा में ग्रेस मार्किंग देने के संबंध में संदेह जताने के लिए नीट यूजी 2024 के रिजल्टों को चुनौती दी गई है। इनमें से एक याचिका फिजिक्स वाला के सीईओ अलख पांडे ने दायर की थी। दायर की गई याचिका में दावा किया था कि एनटीए का ग्रेस मार्क्स देने का फैसला मनमाना था। कथित तौर पर पांडे ने लगभग 20,000 छात्रों से प्रतिनिधित्व एकत्र किया, जिसमें दिखाया गया कि कम से कम 1,500 छात्रों को लगभग 70-80 अंक ग्रेस मार्क्स के रूप में दिए गए थे।

दिल्ली नैतिक शिक्षण शिविरों का आयोजन

वर्तमान युग मे बच्चों को सुसंस्कार देना अति आवश्यक है। आज बच्चों को लौकिक शिक्षा तो दी जा रही है परन्तु उनको नैतिक मूल्यों का ज्ञान नही दिया जा रहा है। इसी उद्देश्य से दिगम्बर जैन नैतिक शिक्षा समिति द्वारा नन्हे मुन्ने बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन नैतिक शिक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। समिति के पाठशाला मंत्री अशोक जैन (तरुण मित्र परिषद) ने बताया कि आज श्री दिगम्बर जैन मंदिर सुभाष चौक, लक्ष्मी नगर मे आयोजित 31वें नैतिक शिक्षण शिविर का समापन समारोह आयोजित किया गया। समिति के अध्यक्ष धनपाल सिंह जैन ने बताया कि इन शिविरों मे बच्चों को सुबह उठते ही णमोकार मंत्र का जाप, माता पिता के चरण स्पर्श, देव दर्शन का महत्व, शाकाहारी शुद्ध भोजन, पर्यावरण संरक्षण, जल व बिजली संचयन, राष्ट्र समाज व परिवार के प्रति समर्पण आदि विषयों का ज्ञान कराया जाता है। समारोह मे बच्चों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों का प्रदर्शन किया गया। सभी सहभागियों में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले विजेताओं को विशेष उपहार व अन्य सभी को सांत्वना पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर मंदिर अध्यक्ष अनिल जैन, उपाध्यक्ष सचिन जैन संयोजक अमित जैन, कोषाध्यक्ष अशोक कुमार जैन, तरुण मित्र परिषद के सहसचिव आलोक जैन, रविन्द्र कुमार जैन, आदि विशेष रूप से उपस्थित थे।

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

उत्तर प्रदेश में आम आदमी की सबसे बड़ी समस्या गुंडागर्दी है। इन पर लगाम कसने वाली सरकार को राज्य की सफल सरकार माना जाता है। यही वजह है कि लोकसभा चुनाव परिणाम और आचार संहिता हटने के बाद यूपी की योगी सरकार सुपर एक्शन मोड में दिख रही है। बुलडोजर एक्शन के साथ ही ताबड़तोड़ पुलिस एनकाउंटर से अपराधियों और लैंड माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है। चुनाव परिणाम आने के बाद से पुलिस ने कुल 22 एनकाउंटर किये हैं। इनमें दो इनामी बदमाश ढेर हुए हैं, जबकि 20 से अधिक अपराधी ऑपरेशन लंगड़ा के तहत गिरफ्तार किए गए हैं। पुलिस मुख्यालय से जारी आंकड़ों के मुताबिक जौनपुर और मुजफ्फरनगर में एक-एक इनामी बदमाश ढेर हुए हैं। जौनपुर में 5 जून को एक लाख का इनामी प्रशांत सिंह उर्फ प्रिंस मार गिराया गया। वह सात सालों से फरार चल रहा था। इसके अगले ही दिन मुजफ्फरनगर में भी एक एनकाउंटर हुआ, जिसमें बिहार का कुख्यात बदमाश और दो लाख रुपए का इनामी नीलेश राय ढेर हो गया। चुनाव परिणाम आने के बाद से यूपी के 13 जिलों में अब तक 22 एनकाउंटर हुए हैं। इनमे 20 से अधिक अपराधी पुलिस की गोली लगने से घायल हुए हैं।

5 जून को ही अंबेडकरनगर में दो जो तस्कर गोली लगने घायल हुए। इसी दिन मेरठ में भी होमगार्ड से लूटपाट करने वाले दो लुटेरों से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। दोनों के पैर में गोली लगी। बिजनौर में भी पांच जून को प्रॉपर्टी डीलर के हत्यारे से पुलिस की मुठभेड़ हुई और पैर में गोली लगने से घायल हो गया। शामिल में भी पशु तस्करों से मुठभेड़ में एक आरोपी घायल हुआ। गाजियाबाद में भी 5 और 6 जून को हुए एनकाउंटर में दो बदमाश घायल हो गए। बरेली में भी एक अपराधी पुलिस मुठभेड़ में घायल हुआ। 6 जून को मेरठ, अलीगढ़, रामपुर, जालौन और सीतापुर में ऑपरेशन लंगड़ा के तहत एक-एक अपराधी पकड़े गए। 7 जून को मुजफ्फरनगर में पुलिस की गोली लगने से दो बदमाश घायल हुए। इसी दिन लखनऊ और जालौन में हुई मुठभेड़ में भी एक-एक अपराधी को पैर में गोली लगी। 8 जून को कानपुर और मुजफ्फरनगर में ऑपरेशन लंगड़ा के तहत तीन अपराधी अरेस्ट हुए। 10 जून को फरुर्खाबाद में पुलिस सिपाही को रौंदकर मारने वाले दो आरोपियों का हाफ एनकाउंटर हुआ। 11 जून को रामपुर, मेरठ और अयोध्या में एक-एक अपराधी घायल हुआ है। 12 जून को कौशाम्बी और बाराबंकी में एक-एक बदमाश पुलिस की गोली लगने से घायल हुआ। वहीं बुलडोजर एक्शन की बात करें तो अवैध अतिक्रमण के खिलाफ भी कार्रवाई में तेजी आई है। 4 जून के बाद से अब तक 4 बड़े बुलडोजर एक्शन हुए हैं। इनमे से लखनऊ के अकबरनगर में अवैध रूप से बसाई गई कॉलोनी के खिलाफ आज भी बुलडोजर एक्शन जारी है। प्रदेश में ही नहीं देश में सबसे बड़ा बुलडोजर एक्शन लखनऊ के अकबरनगर में चल रहा है। बुलडोजर के इस एक्स्ट्रा डोज से अवैध रूप से बसाई गई कॉलोनियों में भी दहशत देखने को मिल रही है। इसके अलावा उन्नाव, प्रयागराज आगरा में भी अवैध निर्माण के खलाफ बुलडोजर की कार्रवाई की गई है।

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनकी पार्टी के अयोध्या की मिल्कीपुर सीट से विधायक अवधेश प्रसाद ने सांसद बनने के बाद विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने करहल सीट से विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिया। अखिलेश यादव ने कन्नौज सीट से लोकसभा चुनाव जीता है। अब, अखिलेश यादव केंद्र की राजनीति में नजर आएंगे। इसी के साथ संसद में पति-पत्नी यानी अखिलेश-डिंपल की जोड़ी नजर आएगी। डिंपल यादव मैनपुरी से चुनाव जीती हैं।

लोकसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन से उत्साहित अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी का अगला लक्ष्य 2027 में उत्तर प्रदेश में सरकार बनाने का है। पार्टी अभी से ही इसकी तैयारी शुरू कर रही है।

फैजाबाद की मिल्कीपुर विधानसभा सीट से सपा के दिग्गज विधायक अवधेश प्रसाद ने भी सांसद चुने जाने के बाद अपना इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने फैजाबाद सीट से भाजपा के दो बार के सांसद लल्लू सिंह को हराया है। फैजाबाद वही लोकसभा सीट है, जिसके अंतर्गत अयोध्या विधानसभा भी आती है।

अवधेश प्रसाद नौ बार विधायक और छह बार राज्य सरकार में मंत्री रह चुके हैं। अयोध्या की फैजाबाद लोकसभा सीट पर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अवधेश प्रसाद ने 54,567 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। अवधेश प्रसाद को 5,54,289 वोट मिले तो भाजपा के उम्मीदवार लल्लू सिंह को 4,99,722 वोट मिले थे।

यूपी की जनता ने भाजपा के सारे नारों की निकाली हवा

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर लोकसभा चुनाव को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यूपी की जनता ने इनके सारे नारों की हवा निकाल दी है।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पूरे देश में यूपी के चुनाव परिणाम की चर्चा हो रही है। इंडिया गठबंधन ने जबरदस्त परिणाम दिया है। यूपी ने मोदी जी के अबकी बार 400 पार के नारे की हवा निकाल दी है। 80 में 80 सीटें जीतने के दावे और काशी में 10 लाख वोटों से जीतने के दावों की हवा निकाल दी है। उन्होंने दावा किया कि देवरिया, महाराजगंज और अमरोहा की सीट सरकार की मदद से जीती है। इन सीटों पर कांग्रेस जीत रही थी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रदेश भर में आभार यात्राएं निकालेगी और प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों तक जाएंगे। इसकी शुरूआत रायबरेली से राहुल गांधी ने शुरू कर दी है। अब यात्रा 15 दिनों तक चलेगी। राय ने कहा कि देश भर में छात्र परेशान हैं। पहले यूपी में ही पेपर लीक होते थे। प्रदेश में अब तक 19 बार पेपर लीक हो चुका है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने महंगाई को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दाल के दाम बढ़ गए हैं। आटा है नहीं, बाहर से मंगाएंगे।

उन्होंने कहा कि जम्मू में आतंकी हमला हुआ है और उपराज्यपाल वाराणसी और गाजीपुर में प्रचार कर रहे थे। हम इसकी निंदा करते हैं। मृतकों में यूपी के कई लोग थे। सरकार ऐसी व्यवस्था करे कि इस तरह के हमलों की पुनरावृत्ति न हो। कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि भाजपा ने 370 के नाम पर वोट मांगे। जम्मू में एक भी प्रत्याशी अपने सिंबल पर नहीं लड़ाया। यूपी ने उनकी राजनीति को नकार दिया है।

रंगदारी मांगने के आरोप में पप्पू यादव पर एफआईआर

बिहार के पूर्णिया से नवनिर्वाचित सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के खिलाफ एक मामला दर्ज किया गया, जब एक व्यवसायी ने उन पर जबरन वसूली की कोशिश करने का आरोप लगाया। पूर्णिया जिले में पुलिस द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, यादव ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में फर्निशिंग का व्यवसाय चलाने वाले शिकायतकर्ता को 4 जून को वोटों की गिनती के समय अपने आवास पर बुलाया और उससे एक करोड़ रुपये मांगे। पुलिस का बयान में बताया कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि यादव, जिन्होंने पहले 2021 और 2023 में इसी तरह की मांग की थी, ने मांग पूरी नहीं होने पर उन्हें (व्यवसायी को) जान से मारने की धमकी दी और चेतावनी दी कि उन्हें अगले पांच वर्षों तक सांसद से निपटना होगा।

शिकायत के आधार पर मुफस्सिल थाने में सांसद और उनके करीबी अमित यादव के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांच चल रही है। दूसरी ओर, पूर्णिया से नवनिर्वाचित सांसद ने जमकर हंगामा किया और इसे उन लोगों द्वारा रची गई साजिश बताया जो उनके 'बढ़ते प्रभाव' से 'परेशान' हैं।

पप्पू यादव ने एक्स पर लिखा कि देश प्रदेश की राजनीति में मेरे बढ़ते प्रभाव और आम लोगों के बढ़ते स्नेह से परेशान लोगों ने आज पूर्णिया में घृणित षड्यंत्र रचा है। एक अधिकारी और विरोधियों के इस साज़िश को पूर्ण रूप से बेनकाब करेंगे। सुप्रीम कोर्ट के अधीन इसकी निष्पक्ष जांच करवाई जाय, जो दोषी हो उसे फांसी दे दें। हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में पप्पू यादव बिहार की पूर्णिया लोकसभा सीट से निर्वाचित हुए। उन्होंने पूर्णिया सीट से दो बार के जेडीयू सांसद संतोष कुशवाहा पर 23,847 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। निर्दलीय उम्मीदवार को 5.67 लाख से अधिक वोट मिले, जबकि जद (यू) उम्मीदवार को 5.43 लाख वोट मिले।

मोदी सरकार में बिहार की निर्णायक भूमिका : नीतीश को मांगना चाहिए विशेष राज्य का दर्जा

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को कई प्रमुख मांगों के लिए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर दबाव बनाना चाहिए। यादव ने बिहार को विशेष दर्जा प्राप्त करने, राष्ट्रव्यापी जाति जनगणना के कार्यान्वयन और वंचित जातियों के लिए कोटा बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। मीडिया से बात करते हुए, बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में "निर्णायक भूमिका" निभा रहा है। उन्होंने दावा किया कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, जिन्होंने अपना लगातार तीसरा कार्यकाल शुरू किया है, अपने "सबसे कमजोर" पद पर हैं, जो इन मांगों को संबोधित करने के लिए एक उपयुक्त अवसर का सुझाव देता है।

यादव ने कहा कि मौजूदा लोकसभा में विपक्ष मजबूत है और बिहार निर्णायक भूमिका निभा रहा है. मोदी, जो लंबे समय से राज्य को विशेष दर्जा देने का वादा कर रहे थे, ने हाल ही में इसके बारे में बोलना बंद कर दिया है। उन्होंने कहा कि नीतीश जी को अपने पद का लाभ उठाना चाहिए और विशेष दर्जा और राष्ट्रव्यापी जाति जनगणना जैसी मांगों पर जोर देना चाहिए। जब हम सत्ता साझा कर रहे थे, तो एससी, एसटी और ओबीसी के लिए कोटा बढ़ाया गया था। कानून को नौवीं अनुसूची में डालना, ताकि यह न्यायिक जांच का सामना कर सके, भी लटका हुआ है।

विशेष रूप से, बिहार के मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली जद (यू) ने लोकसभा चुनाव में 12 सीटें जीतीं, और बहुमत से पीछे रह गई भाजपा की दूसरी सबसे बड़ी सहयोगी बन गई। राजद नेता ने यह भी कहा कि नए केंद्रीय मंत्रिपरिषद में विभागों के आवंटन से पता चलता है कि बिहार के लोगों को बिना सोचे समझे काम दिया गया है। उन्होंने नौकरी के बदले जमीन घोटाले में ईडी द्वारा दायर अंतिम आरोप पत्र पर भी प्रकाश डालते हुए कहा, "एक ही मामले में हमारे खिलाफ कई आरोप पत्र दायर किए गए हैं। सरकार को यह ध्यान रखना चाहिए कि समय बदल गया है।"

यह अल्पमत की सरकार कभी भी गिर सकती है

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी सरकार को लेकर बड़ा दावा किया है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी 3.0 को अल्पमत की सरकार बताया है। बेंगलुरु में पत्रकारों से बात करते हुए गलती से एनडीए की सरकार बन गयी है। मोदी जी के पास जनादेश नहीं है। उन्होंने कहा कि यह अल्पमत सरकार है। यह सरकार कभी भी गिर सकती है। हम चाहेंगे कि ये चलता रहे, ये देश के लिए अच्छा हो, हम मिल कर देश को मजबूत करने के लिए काम करें।

खड़गे ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री को जो कुछ अच्छा चल रहा है उसे चलने नहीं देने की आदत है। लेकिन हम देश को मजबूत करने की दिशा में सहयोग करेंगे। इससे पहले उन्होंने कहा था कि लोकसभा चुनाव में देश ने ऐसा जवाब

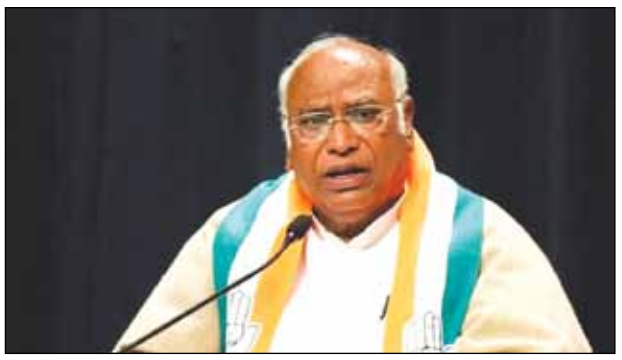

दिया कि मोदी सरकार को दूसरों के घरों से कुर्सियां उधार लेकर अपना सत्ता का "घर" संभालना पड़ रहा है। 17 जुलाई 2020 को प्रधानमंत्री जी ने देश को "मोदी की गारंटी" दी थी कि 2022 तक हर भारतीय के सिर पर छत होगी। ये "गारंटी" तो खोखली निकली !

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि अब 3 करोड़ PM आवास देने का ढिंढोरा ऐसे पीट रहे हैं, जैसे पिछली गारंटी पूरी कर ली हो! उन्होंने आरोप लगाया, मोदी जी की आवास योजना में 49 लाख शहरी आवास यानी 60 प्रतिशत घरों का अधिकतर पैसा जनता ने अपनी जेब से भरा। उनके मुताबिक, एक सरकारी सामान्य शहरी घर औसतन 6.5 लाख रुपये का बनता है, उसमें केंद्र सरकार केवल 1.5 लाख रू देती है। इसमें 40 प्रतिशत योगदान राज्यों और नगरपालिका का भी होता है। बाकी के बोझ का ठीकरा जनता के सिर पर फूटता है। वो भी करीब 60 प्रतिशत का बोझ। ऐसा संसदीय समिति ने कहा है। खरगे का कहना था, समाचार पत्रों से पता चला है कि मोदी जी ने वाराणसी में जो 'सांसद आदर्श ग्राम योजना' के तहत आठ गांवों को विकसित करने के लिए गोद लिया था वहां गरीबों के पास, खासकर दलित व पिछड़े समाज को अब तक पक्के घर नहीं मिले। अगर कुछ घर हैं तो भी उनमें पानी नहीं पहुंचा, नल तक नहीं है। उन्होंने दावा किया, मोदी जी द्वारा गोद लिया गया पहला गांव जयापुर है। वहां कई दलितों के पास घर और चालू शौचालय नहीं हैं। नागेपुर गांव में भी स्थिति ऐसी ही है और इसके अलावा, सड़कें भी खराब स्थिति में हैं। परमपुर में पूरे गांव में नल लगे हैं लेकिन उन नलों में पानी नहीं है। पूरे गांव में पिछले दो महीनों से पानी की आपूर्ति नहीं थी। वहां कई दलित और यादव समाज के लोग कच्चे घरों में रहते हैं।

पेमा खांडू तीसरी बार बने अरुणाचल प्रदेश के सीएम

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता पेमा खांडू ने लगातार तीसरी बार अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। मुक्तो विधानसभा क्षेत्र से विधायक खांडू को राज्यपाल के टी परनाइक ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और कई अन्य नेताओं की मौजूदगी में शपथ दिलाई।

दोरजी खांडू स्टेट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित समारोह में 11 अन्य विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली, जिनमें उपमुख्यमंत्री चौना मीन, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष पीडी सोना, भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष बियुराम वाहगे और पूर्व मुख्यमंत्री कलिखो पुल की पत्नी दासंगलू पुल शामिल हैं।

दासंगलू पुल अकेली महिला मंत्री हैं, जबकि नये मंत्रिमंडल में आठ नये चेहरे शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि विभागों का आवंटन शाम को किया जाएगा, जिसके बाद नयी सरकार की पहली बैठक होगी।

भाजपा ने 60 सदस्यीय विधानसभा में 46 सीट पर जीत हासिल कर लगातार तीसरी बार अरुणाचल प्रदेश की सत्ता में वापसी की है।

मणिपुर के बारे में मोदी को 'ज्ञान' दें संघ प्रमुख भागवत

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने मणिपुर के हालात पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत के बयान को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि भागवत को इस बारे में मोदी को भी समझाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भागवत द्वारा मणिपुर के बारे में मोदी को भी 'ज्ञान' दिया जाना चाहिए क्योंकि राज्य में जातीय हिंसा की शुरूआत के बाद से अब तक प्रधानमंत्री ने वहां का दौरा नहीं किया है। भागवत ने एक कार्यक्रम में कहा कि मणिपुर पिछले एक साल से शांति की राह देख रहा है और इस संघर्षग्रस्त राज्य की स्थिति पर प्राथमिकता से विचार किया जाना चाहिए।

संघ प्रमुख के इस बयान पर प्रतिक्रिया जताते हुए दिग्विजय सिंह ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा, मैं भागवत से अनुरोध करूंगा कि वह यह ज्ञान प्रधानमंत्री मोदी को भी दें। वह (मोदी) अब तक वहां (मणिपुर) गए नहीं हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने समर्थकों से अपील की है कि

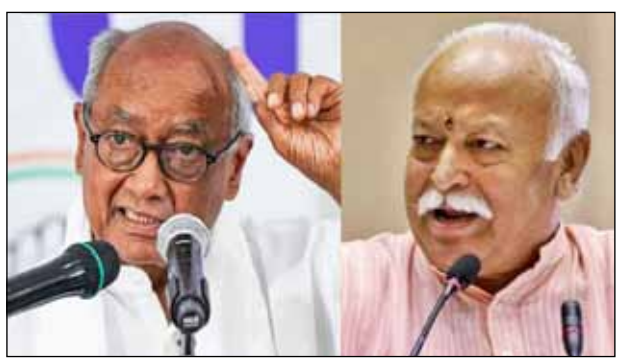

वे सोशल मीडिया प्रोफाइल पर उनके नाम के आगे से मोदी का परिवार शब्द हटा लें। इस बारे में पूछे जाने पर सिंह ने कहा, मोदी का परिवार तो बन चुका है। जितने भी भ्रष्ट लोग हैं, वे सब मोदी के परिवार के अंग बन चुके हैं। इसलिए उन्होंने (मोदी समर्थकों ने) शायद शर्म के कारण अपने नाम के आगे से मोदी का परिवार शब्द हटाया होगा। इस सिलसिले में संभवतः संघ परिवार ने भी कोई आदेश दिया होगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अगुवाई वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के खिलाफ विपक्ष द्वारा अविश्वास प्रस्ताव पेश करने की संभावना पर उन्होंने कहा, अभी तो इस सरकार को शपथ लिए एक ही दिन हुआ है। आगे देखते हैं कि क्या होता है। सिंह ने एक सवाल पर यह भी कहा कि जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का 'मिजाज' पूरा देश जानता है। प्रधानमंत्री मोदी के मंत्रिमंडल में मुस्लिम समुदाय के किसी भी नेता को जगह नहीं दिए जाने पर सिंह ने कहा कि इस तरह का फैसला सरकार के विवेक पर निर्भर करता है। केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी द्वारा देश में समान नागरिक संहिता लागू करने के चुनावी वादे के भविष्य पर उन्होंने सीधी प्रतिक्रिया टालते हुए कहा, देखिए, आगे क्या होता है।

मेरी आवाज सुनो जन कल्याण समिति ने मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया

॥ विवेक जैन ॥

बागपत शहर में स्थित वात्सायन पैलेस में राष्ट्रीय जागरूक ब्राह्मण महासंघ एवं मेरी आवाज सुनो जन कल्याण समिति के तत्वावधान में मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। सम्मान समारोह में विधान परिषद सदस्य धर्मेंद्र भारद्वाज ने मुख्य अतिथि व दिल्ली यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्राफेसर व प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ रामकरण शर्मा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। सम्मान समारोह में कक्षा 10 और कक्षा 12 में 75 प्रतिशत से ऊपर अंक लाने वाले 301 मेधावी छात्र-छात्राओं एवं उनके परिजनों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर धर्मेन्द्र भारद्वाज ने कहा कि विद्यार्थियों ने परीक्षा में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपने माता-पिता, गुरूओं और जनपद को गौरवान्वित किया है।

डाक्टर रामकरण शर्मा ने कहा कि शिक्षा को न ही कोई चोर चुरा सकता है, न ही कोई छीन सकता है, न ही इसको संभालना मुश्किल है और न ही

इसका इसका बंटवारा होता है। शिक्षा खर्च करने से और भी अधिक बढ़ती है और यह सभी धनो से श्रेष्ठ है। इस अवसर पर राष्ट्रीय जागरूक ब्राह्मण महासंघ एवं मेरी आवाज सुनो जन कल्याण समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित रामदत्त शर्मा ने बताया कि हमारी संस्था पिछले 10 वर्षों से भारतवर्ष के हर जिले में इस तरह के सम्मान समारोह आयोजित करके परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित करती है। संस्था आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों की शादी, आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों को बीए, बीएससी, बीकॉम, बीबीए की पढ़ाई निशुल्क कराना, पेड़ पौधे लगाना, लोगों के स्वास्थ्य के लिए मेडिकल कैंप लगाकर उनकी निशुल्क जांच कराने सहित विभिन्न अनेकों सामाजिक और परोपकारी कार्यो को करती है। कार्यक्रम का संचालन मेरी आवाज सुनो जनकल्याण समिति की प्रदेश अध्यक्ष प्रोफेसर भक्ति सिंह ने किया।

इस अवसर पर मेरी आवाज सुनो जन कल्याण समिति की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजिका अंजु खोखर हलालपुर, नेशनल अवार्डी एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार विपुल जैन, विमला अश्वनी शर्मा बासौली, कर्णिका, सुषमा रानी बड़ौत, अमित जैन, आदेश शर्मा, सुनील शर्मा, रेनू शर्मा, आरती शर्मा, कुसुम चौहान, आरती मान, साधना तिवारी, मिनाक्षी शर्मा, सोनिया त्रिखा, मधु धामा, गीता शर्मा, सत्येंद्र शर्मा, चंद्रदत्त शर्मा, मनीष शर्मा, अमरवीर खोखर सहित हजारों की संख्या में विद्यार्थीगण आदि उपस्थित थे।

अयोध्या के लोगों ने भाजपा को हराकर मंदिर की राजनीति को सही किया

राकांपा (एसपी) के नेता शरद पवार ने कहा कि अयोध्या के लोगों ने हाल के लोकसभा चुनाव में वहां भाजपा के उम्मीदवार को हराकर प्रदर्शित किया है कि मंदिर की राजनीति को कैसे ठीक किया जाए। पवार ने बारामती में व्यापारियों की एक बैठक में इस बात पर प्रकाश डाला कि भाजपा ने पांच साल पहले 300 से अधिक सीट हासिल की थी, लेकिन इस बार उसकी सीट संख्या घटकर 240 रह गई जो बहुमत से काफी कम है। उन्होंने कहा, मुझे लग रहा था कि राम मंदिर चुनावी एजेंडा होगा और सत्तारूढ़ दल को वोट मिलेंगे, लेकिन हमारे देश के लोग काफी समझदार हैं।

पवार ने कहा कि जब लोगों को एहसास हुआ कि मंदिर के नाम पर वोट मांगे जा रहे हैं तो उन्होंने अलग रुख अपनाने का फैसला किया और भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। फैजाबाद संसदीय क्षेत्र में एक बड़े उलटफेर में समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार अवधेश प्रसाद ने हाल के चुनाव में मौजूदा भाजपा सांसद लल्लू सिंह को 54,567 मतों के अंतर से हराया।

अयोध्या नगरी फैजाबाद संसदीय क्षेत्र में ही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, हम वोट मांगने के लिए मंदिर को चुनावी एजेंडे के रूप में इस्तेमाल किए जाने से डरे हुए थे, लेकिन अयोध्या के लोगों ने (भाजपा उम्मीदवार को हराकर) दिखाया कि मंदिर की राजनीति को कैसे ठीक किया जाए।

चंद्रबाबू नायडू ने ली आंध्रप्रदेश के सीएम पद की शपथ

केंद्र में एनडीए सरकार के शपथ ग्रहण के बाद अब आंध्रप्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) जीत के बाद एन चंद्रबाबू नायडू ने आंध्र प्रदेश के सीएम पद की शपथ ली। शपथ लेने के बाद चंद्रबाबू नायडू के पास पहुंचे तो पीएम मोदी ने उन्हें अपने गले लगा लिया और उन्हें बधाई दी। आंध्रप्रदेश के सीएम के रूप में यह चंद्रबाबू नायडू का चौथा कार्यकाल होगा।

राज्यपाल एस अब्दुल नजीर ने कृष्णा जिले में गन्नावरम हवाई अड्डे के पास केसरपल्ली आईटी पार्क में 74 वर्षीय चंद्रबाबू नायडू को सीएम पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। जन सेना पार्टी (जेएसपी) के अध्यक्ष और अभिनेता पवन कल्याण और नायडू के बेटे और टीडीपी महासचिव नारा लोकेश, टीडीपी की आंध्र प्रदेश इकाई के अध्यक्ष के. अत्चन्नायडू और जन सेना पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति के अध्यक्ष नादेंदला मनोहर उन 24 मंत्रियों में शामिल हैं, जिन्होंने चंद्रबाबू नायडू के साथ शपथ ली। इस मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, अन्य केंद्रीय मंत्री, एनडीए सहयोगियों के नेता और कुछ राज्यों के मुख्यमंत्री शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए।

नायडू के मंत्रिमंडल में 17 नए चेहरों को शामिल किया गया है। इनमें कुछ लोग पहले भी मंत्री रह चुके हैं। मंत्रिमंडल में एक पद खाली रखा गया है। मंत्रिमंडल में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। वरिष्ठ नेता एन. मोहम्मद फारूक एकमात्र मुस्लिम चेहरा हैं। मंत्रियों की सूची में पिछड़ा वर्ग से आठ, अनुसूचित जाति से तीन और अनुसूचित जनजाति से एक व्यक्ति है। नायडू ने कम्मा और कापू समुदाय से चार-चार मंत्रियों को शामिल किया है। रेड्डी से तीन और वैश्य समुदाय से एक को मंत्रिमंडल में जगह मिली है। नायडू खुद सामाजिक और राजनीतिक रूप से शक्तिशाली कम्मा समुदाय से आते हैं, जबकि पवन कल्याण कापू समुदाय से आते हैं।

मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण से पहले चंद्रबाबू नायडू ने घोषणा की कि अमरावती राज्य की एकमात्र राजधानी होगी। नायडू ने तेदेपा, भाजपा और जनसेना के विधायकों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए यह घोषणा की।

कर्नाटक में कांग्रेस की कम सीट आने पर

डीके शिव कुमार ने जताई चिंता

लोकसभा चुनाव 2024 में INDIA गठबंधन ने एनडीए को जबरदस्त टक्कर दी थी। उत्तर प्रदेश में गठबंधन को 43 सीटों पर जीत मिली है। राजस्थान में भी 25 में से 11 सीटें विपक्ष के खाते में गई है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले INDIA ब्लॉक ने इन चुनावों के शानदार प्रदर्शन किया है। सीटों के मामले में पार्टी और गठबंधन को मजबूती मिली है। हालांकि कुछ राज्य ऐसे भी रहे जहां कांग्रेस अच्छा प्रदर्शन करने में सफल नहीं हुई है। जैसे कर्नाटक में कांग्रेस उम्मीद पर खरी नहीं उतरी और पार्टी का प्रदर्शन काफी नकारात्मक रहा। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने भी पार्टी की परफॉर्मेंस पर असंतोष जाहिर किया है। उन्होंने कहा की इन नतीजों से सीख लेकर इसमें सुधार करने की जरूरत है।

डीके शिव कुमार ने कहा कि सभी नेताओं के साथ समीक्षा बैठक करने की जरूरत है। यह ऐसा समय है जब जरूरी सुधार करना चाहिए। इस समय आत्म निरीक्षण होना बेहद जरूरी है। बता दें कि वर्तमान में बेंगलुरु के निर्वाचन क्षेत्र के लिए समीक्षा बैठक हो रही है। बेंगलुरु के बाद राज्य के अन्य निर्वाचन क्षेत्र में भी ऐसी समीक्षा बैठकें होनी है। डीके शिवकुमार ने कहा कि जल्द ही इन समीक्षा बैठकों की तारीख का ऐलान भी होगा।

कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश के नतीजे पर कांग्रेस अध्यक्ष नाखुश है। वहीं डीके शिवकुमार ने कहा कि हमें भरोसा था कि हम 14 से 15 सीटें जीतेंगे। मगर हम इस संख्या को हासिल करने में सफल नहीं हो पाए। हम जनता के फैसले को स्वीकार करते हैं। पार्टी को गांव और कस्बों में वोट नहीं मिला जिस पर विचार करना बेहद जरूरी है।

ज्योतिर्मठ के नाम से जाना जाएगा जोशीमठ

॥ जगन नेगी ॥

जिले की जोशीमठ तहसील अब आधिकारिक तौर पर अपने प्राचीन नाम ज्योतिर्मठ से जानी जाएगी। नाम परिवर्तन की इस घोषणा की घोषणा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पिछले साल चमोली जिले के एक शहर घाट में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान की थी। जोशीमठ का नाम बदलकर ज्योतिर्मठ करना एक ऐसा कदम है जिसका उद्देश्य क्षेत्र की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करना है, जो इसकी प्राचीन जड़ों को दशार्ती है।

भारत सरकार ने नैनीताल जिले की तहसील कोश्याकुटोली का नाम बदलकर परगना श्री कैंची धाम करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। क्षेत्रीय जनता और बाबा नीब करोरी महाराज के भक्तों ने सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पिछले साल कैंची धाम मंदिर के स्थापना दिवस (15 जून) समारोह के अवसर पर कोश्याकुटोली तहसील का नाम बदलकर कैंची धाम करने की घोषणा की थी। उत्तराखंड सरकार द्वारा भेजे गए तहसील नाम परिवर्तन के इस प्रस्ताव को भारत सरकार ने मंजूरी दे दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कैंची धाम में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए उत्तराखंड सरकार यहां सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार काम कर रही है। धाम के सर्वांगीण विकास के लिए मानसखंड मंदिरमाला मिशन में कैंची धाम को भी शामिल किया गया है।

लाडली बहना को 3 हजार रुपए देने का वादा अधूरा

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

लोकसभा चुनाव के बाद मध्य प्रदेश की मोहन यादव कैबिनेट की पहली बैठक में लिए गए फैसलों पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने तंज कसा है। उन्होंने कहा है कि विधानसभा चुनाव के दौरान लाडली बहनाओं को तीन हजार रुपए प्रति माह देने का वादा किया गया था, जो अधूरा है।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री मोहन यादव के वीडियो का जिक्र करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, "मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, आप वीडियो जारी करके लाडली बहनों पर जो 'उपकार' कर रहे हैं, उसका कोई मतलब नहीं है, क्योंकि वोट झपटने के लिए चुनाव में किया वादा अभी तक अधूरा है। भाजपा का भरोसा, शिवराज का साथ, मोदी की गारंटी – जैसे कई चुनावी नारे लगाकर बहनों को इस भ्रम में रखा गया कि सत्ता मिलते ही उन्हें 3000 रुपए प्रतिमाह दिया जाएगा। आपकी सरकार छह माह बाद भी सिर्फ झूठ ही बोल रही है और वादे को पूरा करने से बच रही है!" कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा द्वारा किए गए वादे को पूरा न करने का आरोप लगाते हुए कहा, मध्यप्रदेश की लाखों लाडली बहनों का यह अपमान क्यों किया जा रहा है? आप जिसे गर्व की तरह बता और दोहरा रहे हैं, वह भाजपा के लिए राष्ट्रव्यापी शर्म का सबसे बड़ा विषय होना चाहिए। राजनीतिक झूठ का सबसे बड़ा उदाहरण भी होना चाहिए। दूसरी बात, आप जो राशि दे रहे हैं वह अहसान नहीं, वह लाडली बहनों का अधिकार है, क्योंकि इसी झूठ के दम पर ही भाजपा ने अपनी लुटी हुई सत्ता को बचाया था।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने लाडली बहनाओं को हर तीन हजार रुपए दिए जाने की मांग करते हुए सलाह दी है, बेहतर यही होगा की लाड़ली बहनों को तत्काल तीन हजार रुपए प्रतिमाह की राशि का भुगतान शुरू किया जाए और पिछले 6 महीने का बकाया भी उनके खातों में जमा किया जाए।

ज्ञात हो कि राज्य में दिसंबर 2023 में विधानसभा के चुनाव हुए थे। इस चुनाव से पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाडली बहना योजना को लांच किया था और महिलाओं को एक हजार रुपए प्रतिमाह से शुरूआत कर तीन हजार रुपए प्रति माह तक देने का वादा किया था। वर्तमान में राज्य सरकार 1250 रुपए प्रतिमाह लाडली बहना योजना में दे रही है।

लोकसभा चुनाव में दिल्ली में मुंह की खाने के बाद आप चली बिहार

लोकसभा चुनाव में दिल्ली में मुंह की खाने के बाद आप चली बिहार की ओर, विधानसभा चुनाव को लेकर संजय सिंह ने क्या कहा

लोकसभा चुनाव में दिल्ली की सातों सीटें हारने वाली आम आदमी पार्टी अपने दल के विस्तार की तैयारी में लगी है। पंजाब में सरकार बनाने के बाद आप की नजर अब बिहार पर है। अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी बिहार में चुनाव लड़ने का मन बना लिया है।

आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने स्पष्ट किया कि बिहार में हमारी पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में उतरने की तैयारी कर रही है। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता चुनावी तैयारी शुरू कर दे। जिससे कि केजरीवाल के गुड गवर्नेंस का लाभ बिहार की जनता को भी मिले। संजय सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी बिहार में चुनाव लड़ेगी यह तय है। लेकिन, कितने सीटों पर लड़ेगी? यह हमलोग बाद में तय करके बताएंगे।

भारत की सेना में अग्निवीर के जरिए ठेके पर जवान भर्ती किए गए। अब उत्तर प्रदेश में पुलिस की भर्ती ठेके पर होने जा रही है। यह देश और उत्तर प्रदेश की सुरक्षा के साथ मजाक है। यूपी में इससे पहले पुलिस भर्ती पेपर लीक से 60 लाख बच्चों का भविष्य बर्बाद हुआ। अभी इसकी जांच चल ही रही थी कि अब ठेके पर पुलिस की भर्ती होने वाली है।

हम यूपी के लाखो बच्चो के भविष्य से खिलवाड़ नहीं होने देंगे।

मोदी सरकार 3.0 के गठन पर प्रतिक्रिया देते हुए आप सांसद संजय सिंह ने दावा किया कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नई सरकार एक साल में गिर जाएगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार एनडीए के घटक दलों की उम्मीदों को पूरा करने में विफल रहने की संभावना है। मोदी ने 72 सदस्यीय केंद्रीय मंत्रिपरिषद का नेतृत्व करते हुए रिकॉर्ड तीसरे कार्यकाल के लिए प्रधान मंत्री के रूप में शपथ ली। सिंह ने प्रयागराज के सर्किट हाउस में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा कि सिंह ने कहा कि वह (पीएम मोदी) एनडीए के घटक दलों की अपेक्षाओं के अनुरूप काम नहीं करने जा रहे हैं। वह राजनीतिक दलों को तोड़ने के अपने रवैये को जारी रखेंगे।

उन्होंने कहा कि मैं टीडीपी और जेडीयू से कहना चाहता हूं कि आप अपना स्पीकर बनाएं, नहीं तो इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि आपकी पार्टी के कितने सांसद टूटकर उनके साथ आ जाएंगे।

दिल्ली को नहीं मिलेगा 137 क्यूसेक अतिरिक्त पानी

दिल्ली में चल रहे जल संकट से संबंधित एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को हरियाणा से अतिरिक्त 150 क्यूसेक पानी सुरक्षित करने के लिए ऊपरी यमुना नदी बोर्ड (यूवाईआरबी) से संपर्क करने का निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत की अवकाश पीठ ने गुरुवार को सुनवाई के दौरान कहा कि राज्यों के बीच यमुना जल बंटवारे से संबंधित मुद्दा जटिल है। इस अदालत के पास तकनीकी विशेषज्ञता नहीं है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले की अवकाश पीठ ने दिल्ली सरकार से मानवीय आधार पर राष्ट्रीय राजधानी में पानी की आपूर्ति के लिए शाम 5 बजे तक यूवाईआरबी को एक आवेदन जमा करने को भी कहा। अदालत ने 136 क्यूसेक अतिरिक्त पानी होने का गलत दावा करने के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार की भी आलोचना की। सुनवाई के दौरान हिमाचल प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उसके पास अतिरिक्त 136 क्यूसेक पानी नहीं है और अपना पुराना बयान वापस ले लिया। हालाँकि, अदालत ने हिमाचल सरकार के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने का फैसला किया। शीर्ष अदालत आप सरकार की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें राष्ट्रीय राजधानी में जल संकट को कम करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी को हिमाचल प्रदेश द्वारा उपलब्ध कराए गए अधिशेष पानी को जारी करने के लिए हरियाणा को निर्देश देने की मांग की गई थी।

श्री राजमहल ज्वैलर्स की 112 करोड़ की संपत्तियों की कुर्की

॥ इंद्र वशिष्ठ ॥

ईडी ने मैसर्स श्री राज महल ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड एसआरएमजेपीएल से संबंधित 94.18 करोड़ रुपए मूल्य की चल/अचल संपत्तियां तथा इसी समूह की कंपनी मैसर्स गिन्नी गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड जीजीपीएल से संबंधित 13.43 करोड़ रुपए की संपत्तियां कुर्क की हैं। इन संपत्तियों का स्वामित्व अशोक गोयल, प्रदीप गोयल, प्रवीण कुमार गुप्ता प्रमोटरों /निदेशक के पास है। इस मामले में कुल कुर्की राशि 112 करोड़ रुपए है।

ईडी ने एसआरएमजेपीएल और जीजीपीएल और उनके निदेशकों के खिलाफ सीबीआई द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की। उक्त एफआईआर के अनुसार, सोने और हीरे जड़ित आभूषणों के निर्माण और व्यापार में लगे एसआरएमजेपीएल और जीजीपीएल ने बैंकों से करोड़ों रुपए का ऋण लिया था।

बैंक ऑफ इंडिया और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाले बैंकों के संघ से क्रमशः 125 करोड़, 45 करोड़ रुपए कर्ज लिया और उसके बाद बैंक को धोखा दिया।

सीबीआई ने बैंकों के साथ लगभग 232 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में श्री राज महल ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशकों/प्रमोटरों और इस समूह की कंपनियों के खिलाफ भी कई एफआईआर दर्ज की हैं।

ईडी की जांच से पता चला कि उपरोक्त संस्थाओं, उनके प्रमोटरों/निदेशकों ने बैंक ऋण निधि को उक्त संस्थाओं के व्यवसाय के अलावा अन्य उद्देश्यों के लिए डायवर्ट किया, जैसे व्यक्तिगत नामों पर अचल संपत्तियों में निवेश या अप्रत्यक्ष रूप से उनके द्वारा नियंत्रित कंपनियों के नाम पर डमी निदेशकों के माध्यम से निवेश किया।

इसके अलावा शेल/कागजी संस्थाओं को कथित बिक्री दिखाकर बैंक ऋण में गिरवी रखे गए शेयरों को भी निकाल लिया गया, ताकि बैंक के बकाया की वसूली के लिए वह उपलब्ध न हो सके।

शेल संस्थाओं की जांच से पता चलता है कि या तो वे अस्तित्व में ही नहीं हैं या बही खाता में किया गया लेनदेन का दावा फर्जी है। कुछ संस्थाओं ने स्वीकार किया है कि उन्होंने प्रमोटरों के अनुरोध पर प्रविष्टियाँ प्रदान की हैं। उक्त कुछ फर्जी इकाइयां गिन्नी गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड और श्री राज महल ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रमोटरों/निदेशकों के रिश्तेदारों द्वारा संचालित की जाती हैं।

ईडी की जांच से यह भी पता चला है कि जीजीपीएल और एसआरएमजेपीएल के प्रमोटरों/निदेशकों ने लगभग 100 कंपनियों/इकाइयों की स्थापना की है, जिनका इस्तेमाल मुख्य कंपनियों एसआरएमजेपीएल और इसकी समूह कंपनियों से फंड की लेयरिंग और डायवर्जन के लिए किया गया था।

ईडी 18 जनवरी 2024 को गिन्नी गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड और अन्य के मामले में पहले ही लगभग 4.34 करोड़ रुपए की करोल बाग स्थित दुकानों को कुर्क कर चुका है। ईडी ने 11-04-2023 और 07-05-2024 को तलाशी अभियान चलाया था और बीएमडब्ल्यू/मर्सिडीज कारें , आपत्तिजनक रिकॉर्ड आदि जब्त किया था।

टैंकर माफिया पर लगाम लगाने भर से दिल्ली में जल संकट खत्म नहीं होने वाला

दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने कहा कि शहर में पानी की उपलब्धता में प्रतिदिन 50 मिलियन गैलन की कमी आ रही है और मौजूदा संकट का समाधान केवल टैंकर माफिया पर लगाम लगाकर नहीं किया जा सकता। उन्होंने दावा किया, कोई बड़ी लीकेज नहीं है, यह अफवाह है। अगर पाइपलाइनों में कोई गड़बड़ी होती है तो उसे 12 घंटे में ठीक कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि हालिया ऑडिट में दिखा है कि दिल्ली में पानी की लीकेज अंतरराष्ट्रीय मानकों की तुलना में कम है। आतिशी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि शहर में वास्तव में जल संकट है। उन्होंने लोगों से पानी की बबार्दी करने से बाज आने की अपील की।

उन्होंने कहा कि यमुना नदी और अन्य स्रोतों से प्राप्त पानी की पर्याप्त आपूर्ति न होने के कारण दिल्ली में औसत जल उपलब्धता काफी कम हो गई है, जो छह दिन पहले 1,000-1,005 मिलियन गैलन प्रतिदिन (एमजीडी) थी।

उन्होंने कहा, 12 जून को यह 951 एमजीडी था। इसका मतलब है कि पानी की कमी के कारण दिल्ली में उत्पादन में 50 एमजीडी की कमी आई है, जिससे जल पाइपलाइन नेटवर्क के अंतिम छोर पर स्थित क्षेत्रों में पानी की कमी हो गई है। उन्होंने कहा, यदि टैंकर माफिया सक्रिय है और 100-200 टैंकर चलाए जाते हैं, तो वह 0.1-0.5 एमजीडी से अधिक पानी का उपयोग नहीं कर पाएंगे।

अमर शहीद पं. रामप्रसाद बिस्मिल के 127 वें जन्मोत्सव पर कृतज्ञ राष्ट्र की श्रद्धांजलि

॥ प्रवीण आर्य ॥

आर्य समाज एवं आर्ष गुरुकुल नोएडा के तत्वावधान में सुप्रसिद्ध क्रांतिकारी अमर शहीद पं. रामप्रसाद बिस्मिल के 127 वें जन्मोत्सव पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।

वैदिक विद्वान डॉ.जयेन्द्र आचार्य ने कहा कि आर्य समाज की प्रेरणा से पं. राम प्रसाद बिस्मिल क्रान्तिकारी बने वह सदैव युवाओ के प्रेरणा स्रोत रहेंगे। उनका व्यक्तित्व अद्भूत था वह क्रांतिकारियों के लिए भी प्रेरणा पुंज थे।उनके जन्मदिन पर हमें राष्ट्र रक्षा का संकल्प लेना चाहिए, वह अछे गीतकार लेखक भी थे क

कार्यक्रम अध्यक्ष केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि पं० रामप्रसाद बिस्मिल क्रांतिकारियों के सिरमौर रहे,उनसे प्रेरणा पाकर अनेकों नौजवान स्वतंत्रता- आंदोलन में कूद पड़े। अशफाक उल्ला खां और बिस्मिल की दोस्ती जगजाहिर थी एक कट्टर आर्य समाजी और एक कट्टर मुस्लिम,लेकिन राष्ट्र की बलिवेदी पर दोनों इकट्ठे फांसी पर झूल गए इससे बड़ा सामाजिक समरसता का कोई ओर उदाहरण नहीं हो सकता। बिस्मिल ने देश की आजादी के लिए घर,परिवार सब छोड़ कर राष्ट्र के लिए सब कुछ होम कर दिया। बिस्मिल

का बलिदान देश सदा रखेगा। फांसी से तीन दिन पहले जैल में लिखी आत्मकथा सबको पड़नी चाहिए। बहिन गायत्री मीना ने कहा कि बिस्मिल की जीवनी पढ़ कर रोंगटे खड़े हो जाते है,वास्तव मे उनके जीवन चरित्र को पाठ्यक्रम में पढ़ाने की आवश्यकता है जिससे नयी पीढ़ी उनके बलिदान से परिचित हो सके। कार्यक्रम का कुशल संचालन कैप्टन अशोक गुलाटी ने किया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के प्रान्तीय अध्यक्ष प्रवीण आर्य ने कहा कि बिस्मिल के जीवन का कण कण राष्ट्र के लिए समर्पित था, उनका जीवन युवाओं के लिए सदैव प्रकाश पुंज का कार्य करेगा।देश का दुर्भाग्य है कि बिस्मिल जैसे क्रांतिकारियों को इतिहास से विस्मृत करने का षडयंत्र किया गया और एक ही परिवार की पूजा अर्चना की गई, "उनकी तुर्बत पे नहीँ एक भी दिया,जिनके खून से जले थे चिरागे वतन। आज महकते हैं मकबरे उनके जिन्होंने बेचे थे शहीदों के कफन" इस अमर बलिदानी का जन्म 11 जून सन् 1897 को उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर जिले में हुआ था। सुप्रसिद्ध गायिका संगीता आर्या गीत, सीमा आर्या, सुदर्शन चौधरी के ओजस्वी गीतों ने सभी मे उत्साह पैदा कर दिया। स्वामी यज्ञमुनि जी, मधु भसीन ने भी अपने विचार रखे।आचार्य महेन्द्र भाई, धर्मपाल आर्य,कुसुम भंडारी आदि उपस्थित थे।

सम्मान समारोह और पुस्तक विमोचन समारोह

॥ सुशील श्रीवास्तव ॥

दिल्ली में ग्लोबल मैन्युफैक्चरर्स एंड ट्रेडर्स फाउंडेशन और मीडिया हाउस संयुक्त तत्वाधान में विशिष्ट सहित्यसेवी/ समाजसेवी/ उत्कृष्ट बिजनेस अचीवर्स अवॉर्ड समारोह, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर नई दिल्ली में आयोजित किया गया। इस भव्य और सफल कार्यक्रम के सूत्रधार और मुख्य आयोजक प्रसिद्ध मीडियाकर्मी राजा तालुकदार, फाउंडर, मीडिया हाउस, नई दिल्ली थे। इसमें विशिष्ट क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले कई विशिष्ट विभूति/व्यक्तियों को मुख्य अतिथि पूर्व राज्य सभा सांसद आर के सिन्हा, पूर्व स्पेशल मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट ओम सपरा, मीडियाकर्मी, मारवाह स्टूडियो के संस्थापक संदीप मारवाह, संयोजक/महासचिव सुशील श्रीवास्तव तथा जी एस टी कमिश्नर संजय शरण तथा गौरव गुप्ता ने विशिष्ट अवार्ड

प्रदान किए। कार्यक्रम का सुंदर संचालन गायिका और आर्टिस्ट सुश्री कृष्णा वर्मा ने किया।

इस भव्य समारोह में महान सन्यासी, फ्रीडम फाइटर , महान शिक्षाविद और लाहौर हाई कोर्ट के पूर्व सीनियर एडवोकट (श्री मुंशी राम) श्रद्धानंद तथा गुरुकुल काँगड़ी यूनिवर्सिटी के संस्थापक के अद्भुत और दिव्य व्यक्तित्व तथा जीवनी युवा वर्ग के हित के लिए वरिष्ठ लेखक स्वामी ब्रह्मदेव विद्यामार्तंड द्वारा लिखित पुस्तक और ओम सपरा द्वारा संपादित और प्रकाशित पुस्तक का विमोचन सम्पन्न हुआ।

पुस्तक का विमोचन करते हुए मुख्य अतिथि पूर्व राज्य सभा संसद आर के सिंह, संदीप स्टूडियो, नोएडा के संस्थापक ओजस्वी प्रवक्ता संदीप मरवाह, एवं संयोजक प्रधान राजा, महामंत्री सुशील श्रीवास्तव, श्याम सारण, जी एस टी आयुक्त और अन्य विशिष्ट अतिथिगण ने भारत के मेक इन इंडिया कार्यक्रम तथा देश के विकास हेतु अपने ओजस्वी उद्गार प्रकट किए! विशिष्ट अतिथि ओम सपरा को उल्लेखनीय, उत्कृष्ट साहित्य प्रकाशन और समाज सेवा हेतु विशिष्ट अवार्ड प्रदान किया गया।

ओम सपरा ने पिछले कुछ वर्षों में गीत, कविता, कहानी, गजल, इंग्लिश अनुवाद आदि १६ पुस्तकों का संपादन/ प्रकाशन किया और कोरॉना के दुष्काल में दस से अधिक मजबूर/तनाव ग्रस्त/ दुखी छात्रों को मोटिवेशनल परामर्श/ काउंसलिंग के द्वारा मानसिक अवसाद से मुक्त कराया तथा आर्थिक सहायता प्रदान की।

ओम सपरा ने अपने उद्बोधन में संक्षेप में स्वतंत्रता सेनानी, गुरुकुल कांगड़ी यूनिवर्सिटी के संस्थापक, शिक्षाविद, लाहौर हाई कोर्ट के सीनियर एडवोकेट , वैदिक विद्वान, मूर्धन्य सन्यासी स्वामी श्रद्धानन्द के क्रांतिकारी जीवन के कुछ पक्षों को जनता के समक्ष रखा और इस पुस्तक के महत्व को रेखांकित किया। आपने बताया कि स्वामी जी गुरुकुल में वेदों के अतिरिक्त शिल्प, टेक्नोलॉजी, विज्ञान, मेडिकल साइंस, अंतरिक्ष विज्ञान, भू विज्ञान, रसायन, भौतिक शास्त्र, गणित आदि विभिन्न विषयों की शिक्षा भी आरंभ की और कीर्तिमान स्थापित किया।

यह उल्लेखनीय है कि स्वामी श्रद्धानंद जी एकमात्र गैर मुस्लिम थे, जिनको जामा मस्जिद के मुख्य इमाम ने जामा मस्जिद के मिंबर/मंच पर वेद और शास्त्रों का उपदेश देने का अवसर दिया और आप वहां एक घंटे से अधिक तक, एक बहुत बड़े श्रोता समूह के समक्ष "हिन्दू /आर्य धर्म" की विशेषताओं को सशक्त शैली में रेखांकित किया और वेदोपदेश दिया। आशीष श्रीवास्तव जी का विशेष सहयोग रहा।

महान धर्मयोद्धा गुरु हरगोबिंद जी जिन्होंने पहली बार सिख सेना का गठन

गुरु हरगोबिंद जी ने बलिष्ठ व वीर युवकों को सम्मिलित कर प्रथम सिख सेना का गठन भी किया। उनसे जब इन परिवर्तनों पर प्रश्न किए गये तो गुरु साहिब ने कहा कि उनका सोच व आचार त्याग एवं अध्यात्म आधारित ही है भले ही प्रकट रूप राजसी है।

गुरु अरजन साहिब के लाहौर में बलिदान के बाद गुरुगद्दी पर छठें गुरु के रूप में आसीन होने के बाद गुरु हरगोबिंद जी धर्म व मानवीय मूल्यों के सशक्त पक्षधर बनकर उभरे। वह पहले गुरु थे, जिन्होंने दो तलवारें धारण कीं, जिनमें एक धर्मसत्ता व दूसरी राजशक्ति का प्रतीक थी। अमृतसर में श्री हरिमंदिर साहिब के ठीक सामने श्री अकाल तख्त साहिब का निर्माण करा कर उन्होंने संदेश दिया कि संसार में वास्तविक राज्य परमात्मा का है। समस्त सांसारिक शक्तियों का धर्म की मयार्दा में रहना ही श्रेयस्कर है। गुरु हरगोबिंद जी ने बलिष्ठ व वीर युवकों को सम्मिलित कर प्रथम सिख सेना का गठन भी किया। उनसे जब इन परिवर्तनों पर प्रश्न किए गये, तो गुरु साहिब ने कहा कि उनका सोच व आचार, त्याग एवं अध्यात्म आधारित ही है, भले ही प्रकट रूप राजसी है। ये शस्त्र निर्बल की रक्षा व अन्यायी के नाश के लिए हैं। उन्होंने भविष्य में इसे सिद्ध भी किया।

एक बार मुगल शासक जहांगीर ने उन्हें धोखे से कैद कर लिया व ग्वालियर के किले में बंदी बनाकर रखा। जब जहांगीर को अपनी भूल का एहसास हुआ तो उसने गुरु साहिब को रिहा करने का आदेश दिया। गुरु साहिब ने शर्त रखी कि वे तभी किले से बाहर आएंगे, जब वहां पहले से बंदी 52 हिंदू राजाओं को भी छोड़ा जाएगा। बंदी हिंदू राजाओं को मुक्त कराकर ही गुरु साहिब बाहर आये। अमृतसर पहुंचने पर सिखों ने भव्य दीपमाला का आयोजन किया। संयोग से उस दिन दीवाली थी। तब से श्री हरिमंदिर साहिब में दीवाली के दिन दीपमाला की जाती है। इसे बंदीछोड़ दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। बाद में जहांगीर जब तक जीवित रहा, गुरु साहिब से संबंध बनाकर रखे।

गुरु हरगोबिंद जी ने धर्म प्रचार यात्राएं कीं और स्थान-स्थान पर लोगों को परमात्मा से जोड़ा। एक बार अपने द्वारा ही बसाये गए महिराज नामक स्थान पर गुरु साहिब के दरबार में भाई काला नामक एक श्रद्धालु अपने दो भतीजों के साथ आया। उनमें से एक बालक फूल वस्त्रहीन था। वह गुरु साहिब के सामने आकर अपना पेट बजाने लगा। भाई काला ने गुरु साहब को बताया कि यह अनाथ व भूखा है। गुरु साहिब ने उस बच्चे को बहुत से वर दिए, बाद में उसी फूल के वंशज पंजाब की नाभा, पटियाला व जींद रियासतों के शासक बने। इन्हें फुलकियां राज्य भी कहा जाता है।

दिल्ली तख्त पर शाहजहां के बैठने के बाद मुगलों का पुनः सिखों से टकराव आरंभ हो गया। गुरु हरगोबिंद साहिब का बढ़ता प्रभाव शाहजहां को सहन नहीं हुआ। उसने 1628 में अपनी फौज भेजकर अमृतसर पर आक्रमण कर दिया। युद्ध में मुगलों की करारी हार हुई और गुरु साहिब ने विजय प्राप्त की। आने वाले वर्षों में तीन युद्ध और हुए, सभी युद्धों में गुरु साहिब ने विजय प्राप्त की। उनके लिए ये वस्तुतः धर्म युद्ध थे। गुरु हरगोबिंद सिंह जी ने अपने काल में अनेक नगर बसाये, सरोवर बनवाये व लोगों के कष्ट दूर किये।

स्वर्ग नर्क को लेकर समाज में फैली भ्रांतियों को अपने दर्शन और आचरण से दूर किया संत कबीर

संत कबीर 15वीं शताब्दी के भारतीय रहस्यवादी संत कवि थे। उन्होंने काशी में जन्म लिया था। वे भक्तिकालीन युग में परमेश्वर की भक्ति तथा समाज सुधार के महान प्रवर्तक के रूप में उभरे। उनकी रचनाओं ने भक्ति आंदोलन को गहरे स्तर तक प्रभावित किया। उनका दर्शन भक्ति के आडंबरों से अलग मानवीयता पर आधारित था। सिखों के सर्वोच्च ग्रंथ गुरु ग्रंथ साहिब में भी उनकी वाणी सम्मिलित है। इसमें कबीर जी के 227 शबद मौजूद हैं।

संत कबीर सभी धर्मों का आदर करते हुए एक सर्वोच्च ईश्वर में विश्वास रखते थे। उन्होंने समाज में फैली कुरीतियों, कर्मकांडों, अंधविश्वासों से लोगों को सचेत किया तथा उनकी आलोचना की। कबीर पंथ नामक संप्रदाय उनकी शिक्षाओं के अनुयायी हैं। संत कबीरदास जी को शांतिमय जीवन प्रिय था और वे अहिंसा, सत्य, सदाचार आदि गुणों के प्रशंसक थे। अपनी सरलता, साधु स्वभाव तथा संत प्रवृत्ति के कारण वे समादृत हुए। वे मानव धर्म में विश्वास रखते थे। उन्होंने अपनी भाषा सरल व सुबोध रखी, ताकि जन जन तक वह अपने दर्शन का प्रभाव डाल सकें। कबीर दास जी कर्मप्रधान समाज के पैरोकार थे। लोक कल्याण हेतु ही उनका जीवन समर्पित था। संत कबीर द्वारा लिखित मुख्य रूप से छः ग्रंथ हैं, जिनसे उनके जीवन दर्शन को सम्यक रूप से समझा जा सकता है। ये ग्रंथ हैं- कबीर साखी, कबीर बीजक, कबीर शब्दावली, कबीर दोहावली, कबीर ग्रंथावली व कबीर सागर।

कबीर दास जी ने स्वर्ग व नर्क को लेकर समाज में व्याप्त भ्रांतियों को तोड़ा। यहां तक कि अपना पूरा जीवन काशी में बिताने वाले संत कबीर दास अपने अंतिम समय में मगहर चले गए। माना जाता था कि काशी में शरीर त्यागने से स्वर्ग की प्राप्ति होती है। लोगों के इस अंधविश्वास को तोड़ने के लिए उन्होंने मगहर (उत्तर प्रदेश में गोरखपुर के निकट) में सन 1518 ई. में देह त्यागी। मगहर जिस जिले में है, उसे वर्तमान में संत कबीर नगर के नाम से जाना जाता है।

संत कबीर ज्ञान को ही भक्ति का अवलंब मानते थे। उन्होंने कहा कि अहंकार को छोड़ने से ही ईश्वर का सान्निध्य मिलता है। एक वाणी में वह कहते हैं कि ज्ञान के प्रकाश में ही अहं का अंधकार दूर होता है और तब अपना अस्तित्व तथा सृष्टि में सबकुछ ईश्वरमय दिखाई देता है :

जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहिं।
सब अंधियारा मिट गया, जब दीपक देखा माहिं।।

संकलन: ज्योति राठौर

राशिफल साप्ताहिक
16 से 22 जून 2024

मेष: मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह नए अवसरों का द्वार खोलने वाला है। इस सप्ताह यदि आप अपने समय और ऊर्जा का प्रबंधन करने में कामयाब रहते हैं तो आपकी कोशिशें रंग लाएंगी। यदि आप रोजी-रोजगार की तलाश में हैं तो इस सप्ताह किसी इष्ट-मित्र अथवा प्रभावी व्यक्ति की मदद से आपकी यह मनोकामना पूरी हो सकती है।

वृषभ: वृष राशि के जातक इस सप्ताह दिल की बजाय दिमाग से ज्यादा काम लेते हुए नजर आएंगे। किसी भी कार्य को करते समय आप उससे होने वाले हानि-लाभ पर ज्यादा फोकस करेंगे। आर्थिक दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। व्यवसाय की दृष्टि से सप्ताह के पूर्वार्ध के मुकाबले उत्तरार्ध ज्यादा ही शुभ रहने वाला है।

मिथुन: मिथुन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह बड़ी आपाधापी रहने वाला है। इस सप्ताह आपको निजी एवं व्यावसायिक कार्यों को पूरा करने के लिए लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। यात्रा शुभ एवं मनोरथ को पूरा करने वाली साबित होगी। सप्ताह की शुरूआत में प्रिय व्यक्तियों के साथ मेल-मिलाप संभव है।

कर्क: कर्क राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायक साबित होगा। करियर-कारोबार में आने वाली अड़चनों के चलते आपका मन खिन्न रहेगा। सप्ताह की शुरूआत में कार्यक्षेत्र में किसी के साथ वाद-विवाद होने की आशंका है।

सिंह: सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य भरा रहने वाला है। इस सप्ताह आपके कार्यों से बाधाएं दूर होती हुई और मनोकामनाएं पूरी होती हुई नजर आएंगी। सप्ताह की शुरूआत किसी प्रिय व्यक्ति से जुड़े शुभ समाचार से होगी। जिससे घर में खुशियों का माहौल बना रहेगा।

कन्या: कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला साबित होगा। इस सप्ताह आपको किसी भी कार्य में लापरवाही बरतने से बचना चाहिए क्योंकि आधे-अधूरे मन से किया गया प्रयास असफल साबित हो सकता है। ध्यान रहे कि इसके चलते आपके बनते काम भी बिगड़ सकते हैं।

तुला: तुला राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए हुए है। इस सप्ताह सौभाग्य आपके जीवन में दस्तक देता हुआ नजर आएगा। नौकरीपेशा लोगों की पदोन्नति का सपना पूरा हो सकता है तो वहीं व्यवसाय से जुड़े लोगों को अपेक्षित लाभ होगा। कारोबार के विस्तार की योजनाएं फलीभूत होती हुई नजर आएंगी।

वृश्चिक: वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायक है। इस सप्ताह आपको अपने सोचे हुए कार्यों को समय से पूरा करने और उसमें अपेक्षित सफलता पाने के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास करना पड़ेगा। इस सप्ताह आपको दूसरों पर निर्भर रहने की बजाय अपने कार्यों को खुद ही पूरा करने का प्रयास करना चाहिए।

धनु: धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ साबित होने जा रहा है। इस सप्ताह आपको स्वजनों का पूरा सहयोग और समर्थन मिलेगा। नतीजतन, सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होते हुए नजर आएंगे। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर दोनों का सहयोग प्राप्त होगा।

मकर: मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला साबित होगा। इस सप्ताह आपको न सिर्फ करियर-कारोबार में बल्कि निजी रिश्तों में कठिनाई का अनुभव करना पड़ सकता है। सप्ताह की शुरूआत में भूमि-भवन से जुड़े विवाद को सुलझाने के लिए आपको कोर्ट-कचहरी के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं।

कुंभ: कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभ साबित होने वाला है। सप्ताह की शुरूआत में किसी बड़े मनोरथ के पूर्ण होने पर घर-परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। इस सप्ताह आपको कुछ मामलों में अप्रत्याशित सफलता मिल सकती है। भूमि-भवन एवं वाहनादि का सुख प्राप्त होगा। आपके द्वारा लिए गये निर्णय सही साबित होंगे।

मीन: मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायक साबित होगा। इस सप्ताह आपको कुछेक चीजों को पाने के लिए अपने नियम और सिद्धांत से समझौता करना पड़ सकता है। सप्ताह की शुरूआत में आपकी मेहनत का फल अपेक्षा से कम मिलेगा। जिसके चलते आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा।

सिंगापुर

जहां आप परिवार के साथ जा सकते हैं

गार्डन्स बाए द बे

रात को बेहद रोमांचक और आँखों को चौंधियाने वाली ये जगह हमें ऐसी सपनों की दुनिया में पहुँचाती है जहाँ केवल आनंद की मदमस्त हवा है। यहाँ का फ्लावर डोम और क्लाउड फॉरेस्ट इतना मन मोह लेने वाला है कि इसकी प्रशंसा करते करते आप थक नहीं पाएंगे। थकान महसूस होने पर यहाँ खाने-पीने की शालीन व्यवस्था है। इसे तीन अलग भागों में बाँटा गया है-सेंट्रल, साउथ एवं ईस्ट। इसे देखने के बाद आपका पछताने का प्रतिशत शून्य हो जाएगा।

बोटैनिक गार्डन

अगर आप सिंगापुर शहर की चकाचौंध से कुछ वक्त का अंतराल चाहते है और प्रकृति की शरण लेना चाहते है तो इससे बेहतर जगह और कोई हो ही नहीं सकती। प्रकृति प्रेमी यहाँ से निराश होकर नहीं लौटेंगे। हरियाली से परिपूर्ण ये जगह आपको लोभित करेगी। पक्षियों की चहचहाहट और पेड़ो से गुजरती हुई बहती हवा की तरंग आपके अंतःमन को तृप्त कर देंगी। यहाँ कुछ छोटी झीलें भी है जिसकी सरसराहट कानों को सुकून देती है।

सिंगापुर जू

यह एक पारिवारिक स्थल है, यहाँ कुछ जानवरों की बेहद खूबसूरत और विलुप्त प्रजातियाँ रहती है। यहाँ 300 से भी अधिक प्रजातियाँ है, जिसमे-जिराफ, कोआला, जैब्रा और वाईट टाइगर शामिल है। इसके फ्रोजन टुण्ड्रा में ध्रुवीय भालू और रैकोन डॉग की प्रजातियाँ है। फ्रेजाइल फॉरेस्ट, कीड़ों से भरा हुआ है। कुछ और आकर्षित चीजे, जैसे-स्पलेश सफारी शो, ओरंगुतन एक्सिबिट और जंगल ब्रेकफास्ट भी आकर्षण का केंद्र है। यहाँ आकर आप भरपूर आनंद पा सकेंगे।

यूनिवर्सल स्टूडियोस

यह सैनटोसा द्वीप पर स्थित है, जो सिंगापुर की सबसे रोमांचक जगह है। यह भी एक पारिवारिक जगह है ,जो आपको मनोरंजन, उत्सुकता, हर्ष-उल्लास प्रदान करेगी। यहाँ आपको अपना स्वाद बेहतर करने के लिए बहुत सारे रेस्टोरेंट, कैफे आदि मिलेंगे। यहाँ आकर आप 'वॉक ऑफ फेम' भी जा सकते है, जहाँ आपको हॉलीवुड की हस्तियों के साथ पोज देने का मौका मिलेगा। आपके रोमांच को बनाए रखने के लिए यहाँ रोलर कोस्टर, बैटलस्टार गैलैक्टिका भी है।

चंघी बीच

इस जगह एक बीच पार्क है जो सिंगापुर के सबसे प्राचीन तटीय पार्क में से एक है। 28 हेक्टेयर में फैले इस बीच में 3.3 किमी लंबा पार्क है। जो लोगों के बीच, पिकनिक स्पॉट के लिए जाना जाता है। ओवरनाईट कैंपिंग के लिए भी यह एक मशहूर जगह है, जहाँ सूर्यास्त को देखते हुए एक अद्भुत रात बिताई जा सकती है। खाने के शौकीनों के लिए यहाँ सी फूड भी मिलता है। पानी की लहरों के बीच समय बिताने का अलग ही मजा है, जिसकी तुलना किसी से नहीं की जा सकती।

सिंगापुर फ्लायर

इस शहर को देखने का सबसे अच्छा तरीका है, ऊपर से निहारना, जैसे कोई पक्षी उड़ते हुए हर जगह का नजारा आँखों में बाँधते हुए उड़ता है। अगर आपको कभी मौका मिले तो सूर्यास्त का नजारा यहाँ से आँखों में भरा जा सकता है। यह एशिया का सबसे बड़ा जिआंट व्हील है, जिसकी ऊँचाई 165 मीटर है। यहाँ से इंडोनेशिया और मलेशिया के कुछ भाग भी दिखते है। इसे तकनीक का सबसे अच्छा उदाहरण माना जाता है।

संकलनः स्वाति चतुर्वेदी

गर्मियों में सही परफ्यूम से महकिए तथा महकाइए

-शहनाज हुसैन

गर्मियों में पसीने की दुर्गन्ध आम समस्या है जबकि एक सुखद सुगंध तन मन दोनों को आनंदित कर देती है / गर्मियों में परफ्यूम लगाना हर कोई पसन्द करता है और बाजार में आपको इसकी अनगिनित वैरायटी मिल जाती है / कुछ लोगों में परफ्यूम लगाने का शौक किसी क्रेज से काम नहीं होता क्योंकि जिसके पास से सुगन्ध आती है उसकी ओर दूसरे व्यक्ति खींचे चले जाते हैं /

गर्मियों में मूड को खुशमिजाज रखना बेहद जरूरी होता है तथा अधिकांश लोग इस दुबिधा में रहते हैं की किस तरह का परफ्यूम लगाया जाये क्योंकि पसीने की बदबू को रोकने तथा दिलो दिमाग में सकून पाने के लिए ऐसे परफ्यूम की जरूरत होती है जोकि आपके त्वचा और व्यक्तित्व दोनों के अनुकूल हो तथा आपको फील गुड का अहसास करवा सके /

यह ध्यान रखें की सस्ते और घटिया परफ्यूम से आप को स्किन एलर्जी हो सकती है तथा त्वचा पर छाले भी पड़ सकते हैं / अगर आपको किसी ब्रांड का परफ्यूम अनुकूल लगता हो तो उसे उपयोग करते रहें तथा बार बार ब्रांड न बदलें / कभी भी परफ्यूम को शरीर के खुले अंगों पर न लगाएं क्योंकि इससे रिएक्शन होने का खतरा बढ़ जाता है / परफ्यूम खरीदने से पहले इसमें एसिड की मात्रा जरूर चेक कर लें क्योंकि एसिड की मात्रा ज्यादा होने से शरीर में खुजली , रैशेस आदि की समस्या हो सकती है / परफ्यूम की उपयोगिता चेक करने इसे अपनी कलाई पर दस मिनट तक लगाएं तथा यदि उस भाग पर दस मिनट तक कोई खुजली या काला धब्बा नहीं पड़ता तो यह आपकी त्वचा के अनुकूल हैं /हमेशा प्राकृतिक खुश्बू बाला परफ्यूम बेहतर साबित होता है / यह एक सामान्य नियम है की लड़कियों को हल्का व लड़कों को स्ट्रांग परफ्यूम का उपयोग करना चाहिए / यह ध्यान रखें की परफ्यूम खरीदने से पहले इसकी सुगन्ध की जाँच स्टोर के बाहर जरूर कर लें क्योंकि स्टोर के अन्दर एयर कंडीशनिंग का असर परफ्यूम की सुगन्ध पर पड़ता है /

बदलते मौसम में जैसे हम पहनावे, आभूषण, फुटवेयर का चुनाव करते है वैसे ही हर मौसम तथा अवसर पर आपके व्यक्तित्व से मैच करता हुआ प्रफ्यूम उपयोग करें तो आप ताजगी तथा आनन्दित महसूस करेगे। गर्मियों में धूल, मिट्टी, गन्दगी, पसीना, शाम तक पूरे शरीर को बदबूदार बना देते है ऐसे में आपके शरीर के नेचूरल कैमिकल्स के साथ मेल खाते परफ्यूम आपके लिए सबसे बेहतर साबित होंगे। परफ्यूम का सही चयन आपके व्यक्तित्व से जुड़ जाता है तथा आपके लाईफ स्टाईल की निशानी बन जाता है। गर्मियें में खुशबू तेजी से छूमंतर हो जाती है इसलिए ऐसे में फूलों को खुशबू वाले परफ्यूम आपके मूड को बुलन्द करेंगे तथा मौसम के हिसाब से सबसे बेहतर साबित होंगे गर्मियों में हम अक्सर ज्यादातर समय पार्टियों, घूमने-फिरने, पहाड़ों तथा समुंद्र किनारे वक्त गुजारने तथा खाने-पीने में ज्यादा मशगूल रहते हैं तथा हमारे ज्यादातर अंग नंगे रहते है जिन पर सूरज की किरणें सीधी पड़ती हैं। ऐसे में सही परफ्यूम का चुनाव मुश्किल हो जाता है। गर्मियों में उच्च सान्द्रता के शुद्ध परफ्यूम का चयन करना चाहिए ताकि यह गर्मी तथा आर्द्रता झेल सके। गर्मियों में आपके अपने व्यक्तित्व में मेल खाता परफ्यूम चुनना चाहिए जोकि लम्बे समय तक खुशबू प्रदान कर सके।

गर्मियों में जीवन्त, तरोताजा रहना काफी कठिन होता है तथा हम जयादातर समय ठण्डक की तलाश में रहते है। गर्मियों में पसीने की बदबू जहां हमारा मूड खराब कर देती है वहीं दूसरी ओर उससे आदमी असहज महसूस करता है तथा पसीने की दुर्गन्ध से उसे कई बार शर्मिन्दगी झेलनी पड़ती है। हालांकि शरीर से पसीना आना प्राकृतिक प्रक्रिया है लेकिन जब यह पसीना बैकटीरिया से मिलता है तो दुर्गन्ध पैदा होती है डीओडरैन्ट, टैल्कम पाउडर तथा परफ्यूम का सही चुनाव पसीने की दुर्गन्ध से छुटकारा पाने में मददगार साबित होते है।

ज्यादातर डीओडरैन्ट शरीर से पसीने को रोकने का काम करते है तथा ऐसे में रोल-आन की बजाय स्प्रे ज्यादा उपयुक्त माना जाता है। गर्मियों के मौसम में हल्की खुशबू का डियोडरैन्ट ज्यादा असरदायक माना जाता है। क्योंकि तेज खुशबू वाले पसीने को रोकने वाले डियोडरैन्ट के प्रयोग से त्वचा में जलन या रिएक्शन हो सकता है। ज्यादातर परफ्यूम के नियमित प्रयोग से पहले उन्हें शरीर के छोटे से हिस्से पर प्रयोग में लाना चाहिए तथा अगर त्वचा पर जलन झन-झनाहट, सिहरन महसूस हो तो ऐसे परफ्यूम का उपयोग तत्काल बन्द कर देना चाहिए। कुछ लोग टैल्कम पाउडर काफी उपयोग करते है। हालांकि हाइजीन की दृष्टि से टैल्कम पाउडर ज्यादा उपयोगी नहीं माने जाते है लेकिन वह पसीने को तत्काल सोख लेते है शरीर में ताजगी का अहसास दिलाते है। गुलाब, चन्दन तथा खस प्राकृतिक कूलन्ट माने जाते हैं इसलिए इनके घटकों से बने पाउडर या डीयोडरैन्ट गर्मियों में ज्यादा उपयोगी माने जाते है। बाजार में बिकने वालें ज्यादा परफ्यूम रसायनिक पदार्थो के मिश्रण से बने होते है। इनमें सुगन्धित तेलों को सिन्थेटिक सामग्री से मिश्रित किया जाता है तथा उन्हें विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्त की गई खुशबू से बनाया जाता है।

सही परफ्यूम का चयन करती बार कुछ चीजों का ध्यान रखने की आवश्यकता होती है। जिसमें शारीरिक केमिस्ट्री सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है क्योंकि व्यक्तित्व पसन्द/नापसन्द काफी अहम भूमिका अदा करती है। इसलिए परफ्यूम को अपनी त्वचा पर परीक्षण के बाद ही प्रयोग में लाना चाहिए। परफ्यूम की सही खुशबू का अन्दाजा त्वचा के सम्पर्क में आने से ही महसूस किया जा सकता है। परफ्यूम को सूंघने से कतई फायदा नही होता बल्कि ज्यादा परफ्यूम सूंघने से आपके सूंघने की प्रणाली गडबड़ा जाएगी।

मौसम या वातावरण सही परफ्यूम चुनने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते है। आर्द्रता भरें गर्म वातावरण में हल्के तथा ताजा खुशबू वाले परफ्यूम बेहतर परिणाम देते है क्योंकि इस मौसम में परफ्यूम का प्रभाव प्रचण्ड हो जाता है। तेज खुशबू वाले परफ्यूम आपको असहज कर सकते है तथा कई बार सरदर्द का कारण भी बन जाते है। ठण्डे तथा शुष्क वातावरण में तेज खुशबू वाले परफ्यूम प्रभावकारी साबित होते है। गर्मियों के मौसम में गुलाब, चन्दन, लैवंडर तथा लेमन खुशबू वाले परफ्यूम हल्कें तथा ताजगी भरे महसूस होते है। परफ्यूम के चयन में वक्त भी महत्वपूर्ण माना जाता है। दिन के समय में हल्के परफ्यूम उपयोग में लाने चाहिए।

लेखिका अर्न्तराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौन्दर्य विशेषज्ञ है तथा हर्बल क्वीन के नाम से लोकप्रिय है।

चेहरे पर दही लगाने का सही तरीका...

गर्मी के मौसम में त्वचा की देखभाल के लिए कई लोग फेस पर दही का इस्तेमाल करते हैं. दही को अमूमन पोषक तत्वों का खाजाना माना जाता है. वहीं दही की तासीर ठंडी होने की वजह से गर्मियों में स्किन केयर के लिए दही कई लोगों की पहली पसंद भी होती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि फेस पर दही लगाने के कई नुकसान भी हो सकते हैं.

जी हां, सेहत और त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद साबित होने वाली दही कई मायनों में चेहरे के लिए नुकसानदायक भी हो सकती है. ऐसे में फेस पर दही लगाने से पहले कुछ बातों का खास ख्याल रखना जरूरी हो जाता है. आज हम आपको बताते हैं चेहरे पर दही लगाने से जुड़े कुछ टिप्स, जिन्हें ध्यान में रखकर आप दही के साइड इफेक्ट से बच सकते हैं.

ऑयली त्वचा पर ना लगाएं दही

अगर आपकी स्किन ऑयली है, तो चेहरे पर डायरेक्ट दही लगाने से बचें. ऑयली त्वचा पर दही लगाने से फेस पर एक्ट्रा ऑयल नजर आने लगता है. ऐसे में चेहरे पर सीधे दही लगाने के बजाए दही को ओट्स में मिक्स करने के बाद ही फेस पर अप्लाई करें.

कील-मुहांसों की समस्या

गर्मियों में दही का इस्तेमाल करने से त्वचा ऑयली हो जाती है. जिसकी वजह से चेहरे पर पिंपल्स और एक्ने होने की आशंका बढ़ जाती है. ऐसे में चेहरे पर ज्यादा दही लगाने से बचें और हफ्ते में 1-2 बार ही दही लगाएं.

एलर्जी होने का खतरा

गर्मी में चेहरे पर दही लगाने से आपको एलर्जी होने का डर रहता है. जिसके कारण आपके फेस पर रैशेज, खुजली और रेडनेस भी हो सकती है, इसलिए चेहरे पर दही अप्लाई करने से पहले ब्यूटी एक्सपर्ट की सलाह लेना ना भूलें.

सेंसिटिव त्वचा पर करें टेस्ट

सेंसिटिव स्किन पर दही के एलर्जिक रिएक्शन होने का खतरा अधिक रहता है. अगर आपकी त्वचा सेंसिटिव है, तो हाथ या पैर पर पैच टेस्ट करने के बाद ही दही को चेहरे पर लगाना बेहतर रहेगा.

फीकी पड़ सकती है रंगत

चेहरे पर बहुत ज्यादा दही लगाने से त्वचा डार्क होने लगती है. दही में मौजूद ऑयल चेहरे की रंगत फीका बना देता है, जिससे चेहरा डल और डार्क नजर आने लगता है. ऐसे में चेहरे का निखार बरकरार रखने के लिए हफ्ते में 1-2 बार से ज्यादा दही न लगाएं

तुलसी - गिलोय से कंट्रोल हो सकती है थैलेसीमिया की बीमारी

थैलेसीमिया की बीमारी में खून की कमी के कारण हीमोग्लोबिन नहीं बन पाता है। जिसकी वजह से बाहरी खून चढ़ाने के लिए अस्पताल ले जाना पड़ता है। आयुर्वेद के अनुसार, कुछ घरेलू उपचारों से थैलेसीमिया को नियंत्रित किया जा सकता है। इन सरल उपायों से आप थैलेसीमिया की बीमारी को कंट्रोल कर सकते हैं। थैलीसीमिया एक अनुवांशिक बीमारी है, जो मां-बाप से बच्चों को अनुवांशिक तौर पर मिलती है। इस बीमारी में रोगी बच्चे के शरीर में रक्त की भारी कमी होने लगती है। जिसके कारण उसे बार-बार बाहर ही खून चढ़ाने की जरूरत पड़ती है। इस रोग की पहचान बच्चे में जन्म से 3 महीने के बाद ही हो पाती है। थैलेसीमिया की बीमारी में खून की कमी के कारण हीमोग्लोबिन नहीं बन पाता है। जिसकी वजह से बच्चों को बाहरी खून चढ़ाने के लिए अस्पताल ले जाना पड़ता है।

बार-बार खून चढ़ाने के कारण मरीज के शरीर में अतिरिक्त लौह तत्व जमा होने लगता है, दिल में पहुंचकर जानलेवा साबित होता है। डॉक्टर्स के मुताबिक एक स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में लाल रक्त कण की उम्र करीब 120 दिनों की होती है। लेकिन थैलेसीमिया से पीड़ित रोगी के शरीर में लाल रक्त कण सिर्फ 20 दिनों में ही खत्म हो जाते हैं। इस वजह से शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी हो जाती है और व्यक्ति एनीमिया का शिकार हो सकता है।

थैलेसीमिया के लक्षण हैं -

बार बार बीमार होना
सर्दी जुकाम होना
हर वक्त कमजोरी महसूस होना
आयु के अनुसार शारीरिक विकास न होना
शरीर में पीलापन होना
सांस लेने में तकलीफ होना
दांत बाहर की होना
पेट में सूजन

आयुर्वेद के अनुसार, कुछ घरेलू उपचारों से थैलेसीमिया को नियंत्रित किया जा सकता है। इन सरल उपायों से आप थैलेसीमिया की बीमारी को कंट्रोल कर सकते हैं -

तुलसी का रस

थैलेसीमिया की बीमारी में तुलसी के रस का सेवन करना बहुत फायदेमंद माना जाता है। तुलसी में कई आयुर्वेदिक गुण पाए जाते हैं जो इस बीमारी के इलाज में सहायक होते हैं। इसके लिए रोजाना चार से पांच चम्मच ताजा तुलसी के रस का सेवन करें।

पत्तेदार साग

थैलेसीमिया की बीमारी में गहरे रंग के पत्ते का साग और कम वसा वाले पौधे आधारित चीजों का सेवन करना भी फायदेमंद माना जाता है। थैलेसीमिया के इलाज में फोलिक एसिड युक्त भोजन जैसे दाल, केला, चुकंदर और शकरकंद खाने से फायदा होता है।

गिलोय

आयुर्वेद में गिलोय को अमृत समान माना गया है। गिलोय का सेवन करने से थैलेसीमिया के रोग का इलाज करने में मदद मिलती है। इसमें रोग प्रतिरोधक गुण मौजूद होते हैं जो रक्त विकारों का इलाज करने में सहायक हैं। थैलेसीमिया की बीमारी में रोजाना गिलोय रस का सेवन करने की सलाह दी जाती है।

हॉकी इंडिया लीग के लिए खिलाड़ियों का रजिस्ट्रेशन शुरू

॥ पुलकित चतुर्वेदी ॥

हॉकी इंडिया लीग ने आगामी संस्करण के लिए खिलाड़ियों का रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिया है, जो इस साल के अंत में आठ साल के लंबे अंतराल के बाद वापसी कर रही है।

हॉकी इंडिया लीग के 2024-2025 संस्करण में आठ पुरुष और छह महिला टीमें शामिल होंगी।

हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा गया है, "खेल के इतिहास में यह पहली बार है कि अलग से महिला हॉकी इंडिया लीग आयोजित की जाएगी, जो महिला हॉकी को बढ़ावा देने और इसके बाद भारत में महिला हॉकी खिलाड़ियों की प्रतिभा को बढ़ाने के हॉकी इंडिया के दृष्टिकोण को दिखाता है।

हॉकी इंडिया ने टॉप-15 हॉकी खेलने वाले देशों के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को रजिस्ट्रेशन करने के लिए आमंत्रित किया है। यह आयोजन दिसंबर 2024 के

आखिरी सप्ताह से फरवरी 2025 के पहले सप्ताह के बीच होगा।

इस अवसर पर हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने कहा, "हम हॉकी इंडिया लीग 2024-2025 संस्करण के लिए खिलाड़ियों का रजिस्ट्रेशन शुरू करने से बहुत खुश हैं। यह कदम दिखाता है कि हम एचआईएल को फिर से शुरू करने के करीब हैं, एक ऐसी लीग जिसे दुनिया भर के हॉकी खिलाड़ी और प्रशंसक पसंद करते हैं। हमें विश्वास है कि उभरते भारतीय हॉकी खिलाड़ी दुनिया के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ और उनके खिलाफ खेलने का मौका जरूर पाएंगे।"

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने भी कहा, "हॉकी इंडिया लीग ने भारतीय हॉकी टीमों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह बहुत खुशी और गर्व की बात है कि हम इसे फिर से शुरू करने के कगार पर हैं। यह लीग युवा खिलाड़ियों के स्तर को बेहतर बनाने और पूरे देश में हॉकी की संस्कृति को बढ़ावा देने में मदद करेगी। हम भारत और विदेशों से ढेर सारे आवेदन प्राप्त करने की उम्मीद करते हैं।"

मैं अभी अपने शिखर पर नहीं पहुंचा हूं

स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने कई बार इतिहास रचा है। उन्होंने एथलेटिक्स में भारत के लिए कई गोल्ड जीते, लेकिन इस दिग्गज में कभी अहंकार नहीं आया। आमतौर पर खिलाड़ी लाइमलाइट में आने के बाद अपने लक्ष्य से भटक जाते हैं, मगर नीरज का ध्यान अपने लक्ष्य से टस से मस नहीं हुआ।

भारतीय स्टार एथलीट ने जियोसिनेमा के 'गेट सेट गोल्ड' पर दिनेश कार्तिक से बात की और उन्हें जैवलिन थ्रो की मूल बातें बताईं।

नीरज ने बताया कि कैसे विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप 2016 में उनका थ्रो ही एकमात्र ऐसा थ्रो है जिससे वे संतुष्ट हैं।

नीरज ने कहा, "आज तक, मैं अपने केवल एक थ्रो से संतुष्ट हुआ, जो विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप 2016 में 86.48 मीटर था। वह एक ऐसा थ्रो था जिसके बारे में मुझे लगा कि यह एक खास और अनोखा थ्रो था, लेकिन उसके बाद से मैं किसी भी थ्रो से संतुष्ट नहीं हुआ।

"मुझे लगता है कि मैं अभी अपने शिखर पर नहीं पहुंचा हूं। मैंने स्वर्ण पदक जीता है और कई प्रतियोगिताएं जीती हैं, लेकिन मुझे अभी भी लगता है कि मैं अपने सर्वश्रेष्ठ तक नहीं पहुंचा हूं और मैं अभी भी अपने थ्रो से संतुष्ट नहीं हूं।"

नीरज ने बताया उन्हें दोस्तों के साथ घूमना पसंद है। साथ ही उन्हें शॉपिंग करने का बहुत

शौक है, लेकिन अब वो इस पर कम पैसे खर्च करते हैं क्योंकि इससे पैसा बर्बाद होता है।"

नीरज ने यह भी बताया कि उन्होंने कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान अपना समय हॉलीवुड फिल्में देखकर कैसे बिताया।

उन्होंने कहा, "लॉकडाउन के दौरान मैंने सर्वश्रेष्ठ आईएमडीबी रेटिंग वाली फिल्में देखीं।

26 वर्षीय नीरज इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ जैवलिन थ्रो एथलीटों में से एक हैं। वे मौजूदा ओलंपिक (टोक्यो 2020) और विश्व चैंपियन (बुडापेस्ट 2023) हैं।

उन्होंने यूजीन में विश्व चैंपियनशिप 2022 में रजत पदक जीता। उन्होंने दो बार एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक (2018 जकार्ता, 2022 हांगझोऊ) और 2018 राष्ट्रमंडल खेलों (गोल्ड कोस्ट) में स्वर्ण पदक भी जीता है।

कोहली के बल्ले से जल्द निकलेगी एक बड़ी पारी : बांगर

टीम इंडिया टी20 विश्व कप 2024 के सुपर-8 में पहुंच चुकी है, लेकिन विराट कोहली टूनार्मेंट में अब तक अपने अंदाज में बल्लेबाजी नहीं कर पाए हैं। इस बीच भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय बांगर ने कहा कि विराट कोहली जल्द ही एक अच्छी पारी खेलेंगे।

ग्रुप स्टेज के पहले तीन मैचों में विराट कोहली ने नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में क्रमशः 1, 4 और 0 रन ही बनाए।

विराट टूनार्मेंट में अब तक अपनी छाप नहीं छोड़ पाए हैं। वे पिछले संस्करण में 296 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे थे।

न्यूयॉर्क की मुश्किल पिच पर विराट काफी संघर्ष करते नजर आए, लेकिन अब वेन्यू बदल चुका है। भारत शनिवार को फ्लोरिडा के लॉडरहिल में अपने अंतिम ग्रुप स्टेज मुकाबले में कनाडा से भिड़ने के लिए

तैयार है। बांगर ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, "मैं मानता हूं कि विराट कोहली ने न्यूयॉर्क लेग में रन नहीं बनाए हैं, लेकिन कोई भी अन्य बल्लेबाज इस ट्रैक पर बहुत ज्यादा रन नहीं बना पाया है। यह एक मुश्किल पिच है और इसलिए मुझे लगता है कि अब वेन्यू बदलने के बाद एक बड़ा स्कोर जल्द ही बनने वाला है। वह एक ऐसा खिलाड़ी है जिसने विश्व कप के मुकाबलों में बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

"एक बार जब टूनार्मेंट अगले चरण में पहुंच जाएगा, तो वह प्रतिस्पर्धी भावना फिर से उभरने लगेगी और वह अपनी टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करना शुरू कर देगा।" पिछले मुकाबले में भारत ने सह-मेजबान यूएसए को सात विकेट से हराकर टूनार्मेंट में सुपर आठ में जगह बनाई। भारत और कनाडा के बीच फ्लोरिडा में टी20 विश्व कप के ग्रुप-ए का मुकाबला खेला जाना है।

हालांकि, इस मैच पर भारी बारिश का खतरा मंडरा रहा है।

लगातार तीन जीत के साथ, भारत पहले ही सुपर आठ चरण के लिए क्वालीफाई कर चुका है। भले ही कनाडा के खिलाफ उनका मैच बारिश के कारण धुल जाए, इससे टीम इंडिया के समीकरण पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा। लेकिन अगर बारिश नहीं होती है, तो भारत सुपर आठ में जाने से पहले टीम की कुछ कमियों को दूर करने की कोशिश करेगा।

प्रणय की हार से ऑस्ट्रेलियन ओपन में भारतीय चुनौती समाप्त

भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले एकल खिलाड़ी एचएस प्रणय अपने से ऊंची रैंकिंग वाले जापान के कोडाई नाराओका से 19-21, 13-21 से हार गए जिससे यहां देश का कोई भी शटलर ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूनार्मेंट के क्वार्टर फाइनल से आगे बढ़ने में सफल नहीं रहा। विश्व रैंकिंग में 10वें स्थान पर काबिज प्रणय की हार से पहले पुरुष एकल वर्ग में समीर वर्मा और महिला एकल में आकर्षि कश्यप (महिला) के अलावा सिक्की रेड्डी एवं बी सुमित रेड्डी की मिश्रित जोड़ी को अंतिम आठ में हार का सामना करना पड़ा। प्रणय ने शुरूआती गेम में 10-16 से पिछड़ने के बाद अच्छी वापसी करते हुए स्कोर को 18-18 किया लेकिन इसके बाद लय बरकरार नहीं रख सके।

नाराओका ने दूसरे गेम में 5-5 की बराबरी के बाद अपना दबदबा बनाना शुरू किया और फिर भारतीय खिलाड़ी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। विश्व रैंकिंग के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी लोह किन यू को हराकर उलटफेर करने वाले समीर चीनी ताइपे के लिन चुन यी के खिलाफ दमखम नहीं दिखा सके। रैंकिंग में 17वें स्थान पर काबिज खिलाड़ी ने उन्हें महज 38 मिनट में 21-12, 21-13 से हराया। मिश्रित युगल में सुमित और सिक्की की आठवीं वरीयता प्राप्त पति-पत्नी जोड़ी को भी जियान जेन बैंग और वेई या शिन की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी से शिकस्त मिली। बैंग और शिन ने 21-12, 21-14 से आसान जीत दर्ज की।

भारत ने पाकिस्तान को फिर दी पटखनी

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह (14 रन पर तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन से भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को टी 20 विश्व कप के ग्रुप ए के रोमांचक महामुकाबले में छह रन से हराकर अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की। पाकिस्तान को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा।

भारत की पारी 19 ओवर में 119 रन पर सिमट गयी लेकिन उसने जवाबी प्रहार करते हुए पाकिस्तान को 20 ओवर में सात विकेट पर 113 रन पर रोक दिया। भारत की जीत के नायक रहे प्लेयर ऑफ द मैच जसप्रीत बुमराह जिन्होंने जब जरूरत पड़ी तब विकेट निकाला। बुमराह ने चार ओवर में मात्र 14 रन देकर तीन विकेट झटके। हार्दिक पांड्या ने 24 रन पर दो विकेट लिए जबकि अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल ने एक-एक विकेट लिया।

भारत की टी 20 विश्व कप में आठ मैचों में पाकिस्तान के खिलाफ यह सातवीं जीत है।

क्या रोमांचक मैच रहा है यह। 120 रनों का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम एक समय मैच में बनी हुई थी लेकिन जैसे ही बुमराह आए, उन्होंने अपना कमाल दिखाया। पहले उन्होंने पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम को आउट किया और बाद में खतरनाक दिख रहे मोहम्मद रिजवान का विकेट चटकाया। रिजवान ने सर्वाधिक 31 रन बनाये। बाद में उन्होंने फिर इफ्तिखार को आउट करके पाकिस्तान की कहानी खत्म कर दी। इसमें हार्दिक ने भी अहम भूमिका निभाई जिन्होंने फखर जमां और शादाब खान के अहम विकेट चटकाए।

इससे पहले पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारत की तरफ से विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने तीन जीवनदान का फायदा उठाते हुए 31 गेंदों में छह चौकों की मदद से सर्वाधिक 42 रन बनाये।

अक्षर पटेल ने 20 और कप्तान रोहित शर्मा ने 13 रन बनाये। रोहित ने पारी के पहले ओवर में शाहीन शाह आफरीदी की गेंद पर पारी का पहला छक्का मारा। अक्षर पटेल ने भी एक छक्का लगाया। पंत और अक्षर के बीच तीसरे विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी हुई।

इस पारी में कहा जा सकता है कि ऋषभ पंत को मिला लक का साथ जिससे भारतीय टीम 119 रनों तक पहुंचने में कामयाब रही ,जो लड़ने वाला स्कोर कहा जा सकता है क्योंकि अगर ऋषभ जल्दी आउट हो जाते तो भारतीय टीम 100 रनों तक भी नहीं पहुंच पाती। एक समय भारत का स्कोर 89 पर चार विकेट था और लग रहा था कि 140 रन तक भारत पहुंच जाएगा, लेकिन मध्य ओवरों में नसीम शाह और मोहम्मद आमिर ने भारतीय टीम की कमर तोड़ दी। भारत ने मात्र 30 रन जोड़कर आखिरी सात विकेट गंवाए।

नसीम शाह और हारिस रउफ ने 21-21 रन देकर तीन-तीन विकेट झटके। मोहम्मद आमिर को दो और शाहीन शाह आफरीदी को एक विकेट मिला।

विराट कोहली चार,सूर्यकुमार यादव सात, शिवम दुबे तीन और हार्दिक पांड्या सात रन बनाकर आउट हुए। रवींद्र जडेजा का खाता नहीं खुला और वह पहली गेंद पर ही आउट हो गए। अर्शदीप सिंह ने नौ रन और मोहम्मद सिराज ने नाबाद सात रन बनाकर भारत को किसी तरह 119 तक पहुंचाया। लेकिन अंत में यह स्कोर भारत के लिए मैच विजयी साबित हुआ।

एक समय था जब हमेशा नशे में रहती थीं श्रुति हासन

साउथ अभिनेत्री श्रुति हासन सुर्खियों में हैं। दरअसल, अभिनेत्री ने हाल ही में अपनी शराब छोड़ने की यात्रा पर खुलकर बात की है, जिसकी हर तरफ चर्चा हो रही है। श्रुति ने इंटरव्यू में खुलासा किया कि वह कभी भी ड्रग्स में नहीं थी, लेकिन शराब उनके लिए बहुत बड़ी चीज थी। वह हमेशा इसे पीना चाहती थी। इसी के साथ अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें शराब छोड़े हुए आठ साल हो गए हैं।

अमिनजाज के साथ अनट्रिगर्ड से बात करते हुए श्रुति हासन ने कहा, 'मैं अब आठ साल से शांत हूं। इसलिए, जब आप शराब नहीं पी रहे हों तो पार्टी स्थितियों में लोगों को बर्दाश्त करना कठिन होता है। मुझे कोई पछतावा नहीं है, कोई हैंगओवर नहीं है और मेरे लिए शांत रहना सबसे अच्छा है। यह एक चरण हो सकता है, या आप इसे अपने पूरे जीवन के लिए करना पसंद कर सकते हैं, यह अच्छा है।'

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मैं कभी भी ड्रग्स में नहीं थी, लेकिन शराब मेरे जीवन में एक बड़ी चीज थी। एक समय के बाद इसने मेरे लिए बिल्कुल भी, किसी भी सकारात्मक तरीके से काम करना बंद कर दिया था।

मैं हमेशा नशे में रहती थी और मैं हमेशा अपने दोस्तों के साथ शराब पीना चाहती थी। इसलिए, मुझे ऐसा लगा जैसे यह मेरे नियंत्रण में है।' श्रुति ने ये भी बताया कि उन्होंने उन लोगों से खुद को दूर कर लिया जो उन्हें लगातार पार्टी करने का सुझाव देते थे और इससे उनकी शराब पीने की समस्या और बढ़ गई थी।

बच्चे की आवाज निकालना वाकई काफी मुश्किल : अनन्या पांडे

एनिमेटेड फिल्म इनसाइड आउट 2 का बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे हिस्सा बनी हैं। फिल्म के हिंदी वर्जन के लिए अनन्या मेन कैरेक्टर राइली को अपनी आवाज दे रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि छोटे बच्चे की आवाज निकालना वाकई काफी मुश्किल है। मुंबई के जुहू में डिज्नी और पिक्सर की मजेदार सीक्वल इनसाइड आउट 2 के स्पेशल लॉन्च में अनन्या शामिल हुईं। इस दौरान अनन्या ने राइली की आवाज निकालने में आने वाली चुनौतियों के बारे में बात की। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए बचपन का सपना सच होने जैसा था। डिज्नी और पिक्सर ही वो फिल्में हैं, जिन्हें देखकर मैं बड़ी हुई हूं। लोग कहते हैं कि ये फिल्में बच्चों के लिए हैं, लेकिन जब आप इसे दूसरी बार एडल्ट के रूप में देखते हैं तो आपको बहुत कुछ समझ में आता है।अनन्या ने आगे बताया, सबसे खास बात थी इसकी मानवीयता... हर पल आप लगातार कुछ न कुछ इमोशन महसूस कर रहे होते हैं। मेरे लिए, यह एक चुनौती थी। मैंने ऐसा कुछ पहले कभी नहीं किया था। मैंने सिर्फ फिल्मों में अपनी आवाज दी है। यहां आकर कुछ ऐसा निभाना, जिसकी पिछली कहानी के बारे में मुझे कुछ नहीं पता, इसलिए यह मेरे लिए एक बड़ी चुनौती थी। अनन्या ने कहा, जब उन्होंने मुझसे राइली का किरदार निभाने के लिए कहा, तो मैंने कहा कि मेरी आवाज क्रैक है, अब मैं बच्चे जैसी आवाज नहीं निकाल सकती। इसलिए, छोटे बच्चे की आवाज निकालना मेरे लिए मुश्किल था।

● डॉ. अशोक चतुर्वेदी, दुबई

अपने बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल से 23 जून को मुंबई में शादी करेंगी सोनाक्षी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा अपने बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल से 23 जून को मुंबई में शादी करने वाली हैं। दोनों काफी समय से साथ में रह रहे हैं, लेकिन अपने रिश्ते को निजी रखा है।

रिपोर्ट्स बताती हैं कि सोनाक्षी और जहीर साउथ मुंबई में शादी के बंधन में बंधेंगे। हालांकि, इस जोड़े ने अभी तक अपनी शादी से जुड़ी किसी भी रिपोर्ट की पुष्टि नहीं की है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शादी के निमंत्रण को एक मैगजीन कवर की तरह डिजाइन किया गया है, जिस पर लिखा है "अफवाह सच है।" रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि 'हीरामंडी' की स्टार कास्ट समेत परिवार और करीबी दोस्तों को ही समारोह में आमंत्रित किया गया है। सोनाक्षी और जहीर दोनों ने सलमान खान की फिल्मों से बॉलीवुड में डेब्यू किया था।

सोनाक्षी ने 2010 में 'दबंग' से डेब्यू किया था, जबकि जहीर की पहली फि ल्म 2019 में 'नोटबुक' थी।

सोनाक्षी और जहीर दोनों ने 2022 में कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'डबल एक्सएल' में भी साथ काम किया। पिछले हफ्ते जहीर ने सोनाक्षी को जन्मदिन की बधाई देते हुए कुछ अनदेखी तस्वीरें शेयर की थी। तस्वीरों में वे दोनों एक दूसरे के साथ काफी खुश नजर आ रहे हैं। तस्वीर किस जगह की थी, ये पता नहीं चल पाया है, लेकिन माना जा रहा है कि दोनों छुट्टियां बिता रहे थे। उन्होंने तस्वीरों के साथ लिखा, "जन्मदिन मुबारक सोनाक्षी।"

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **विजयशंकर चतुर्वेदी** द्वारा ए.जी.एस. पब्लिकेशन एफ-23 सेक्टर-6 नोएडा (यू.पी.) से मुद्रित एवं एच-42, लक्ष्मीनगर, दिल्ली-110092 से प्रकाशित
संपादक : **विजयशंकर चतुर्वेदी**, दूरभाष नं. 011-49038655, 011-49073192 मो. 9811063789, 9211152380 (डीएवीपी एवं दिल्ली सरकार से विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त)
प्रकाशन: प्रत्येक सप्ताह रविवार **पोस्टिंग:** प्रत्येक सप्ताह मंगलवार एवं बुधवार E-mail: rashtratimesnewspaper@gmail.com, www.rashtratimes.com rashtratimes